हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

R.N.I.NO UPHIN/2010/39063

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

संविधान निर्माता परम् पूज्य बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा संसद भवन से हटाने से आहत हूं।

वर्ष : 14 अंक : 252 | लखनऊ बुधवार,26 जून 2024 | पृष्ठ : 8 | मूल्य – 2 रुपये

3 रामलला के दरबार में शीश.... | 6 श्रीरामलला मन्दिर की छत .... | महाराज में सरप्राइज फैक्टर.... 8

पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने वाले दूसरे नेता बने नरेन्द्र मोदी

लगातार तीसरी बार देश की सत्ता संभालते ही पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर ली है। उन्हें वाराणसी की जनता ने लगातार तीसरी बार लोकसभा में पहुँचाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत ही कम उम्र में अपना घर छोड़ दिया था।

नई दिल्ली 25 जून (एजेंसी)पीएम नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार देश की सत्ता संभालते ही देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की बराबरी कर ली है। उन्हें वाराणसी की जनता ने लगातार तीसरी बार लोकसभा में पहुँचाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत ही कम उम्र में अपना घर छोड़ दिया था। स्टेशन पर चाय बेचने वाले से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक का सफर उनके लिए आसान नहीं था। मोदी एक करिश्माई और प्रभावशाली नेता हैं जिन्होंने देश के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। संघ के साथ कार्य करते हुए मोदी ने विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया। उन्होंने देशभर में संघ की विचारधारा और कार्यों का प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने अनेक कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन अपने अदम्य साहस और संकल्प से वे संघ में एक महत्वपूर्ण स्थान बनाने में सफल रहे।रेंद्र मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को मेहसाणा जिले के वडनगर नामक एक छोटे से कस्बे में हुआ था, जो पहले बॉम्बे में था लेकिन अब गुजरात में है। वे भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री हैं और आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे उपयुक्त प्रधानमंत्री उम्मीदवारों में से एक थे। बचपन से ही उन्हें कई कठिनाइयों और बाधाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने चरित्र और साहस की ताकत से सभी चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया। यह विशेष रूप से तब देखने को मिला जब उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज और विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहाँ उनका रास्ता जीवन की कठोर वास्तविकताओं और दर्दनाक परिश्रम से भरा था। लेकिन एक सच्चे सिपाही की तरह उन्होंने जीवन की इस लड़ाई में सभी गोलियों का सामना किया। एक बार जब वह आगे बढ़ जाता है तो वह कभी पीछे मुड़कर नहीं देखता।वह पढ़ाई छोड़ने या हारने से इनकार करता है। यह उसके जीवन की प्रतिबद्धता ही थी, जिसने उसे राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने में सक्षम बनाया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ काम करना शुरू किया, जो भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास पर केंद्रित एक सामाजिक–सांस्कृतिक संगठन है, जिसने उनमें निस्वार्थता, सामाजिक जिम्मेदारी, समर्पण और राष्ट्रवाद की भावना को जन्म दिया। नरेन्द्र मोदी ने आरएसएस के साथ अपने कार्यकाल में विभिन्न अवसरों पर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं, जिनमें 1974 का भ्रष्टाचार विरोधी नवनिर्माण आंदोलन और 19 महीने (जून 1975 से जनवरी 1977) की कष्टदायक सेवा अवधि शामिल है, जब श्आपातकालश के दौरान भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का गला घोंटा गया था।

उम्रकैद, 1 करोड़ का जुर्माना., पेपर लीक के खिलाफ अध्यादेश लेकर आई योगी सरकार, कैबिनेट ने दी मंजूरी

कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 की शुरूआत भी शामिल थी, जो लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा नकल माफियाओं के खिलाफ सख्त कानून लागू करने के वादे को दर्शाता है।

लखनऊ 25 जून (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक कड़े नए कानून को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को एक कैबिनेट बैठक के दौरान, राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 पेश करने का प्रस्ताव पारित किया। इस अध्यादेश का उद्देश्य परीक्षा पत्र लीक करने के दोषी पाए जाने वालों के लिए गंभीर दंड लागू करना है। इस नए कानून के तहत न्यूनतम दो साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, अपराधियों को 1 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना भी भरना पड़ेगा।कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अध्यादेश 2024 की शुरूआत भी शामिल थी, जो लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा नकल माफियाओं के खिलाफ सख्त कानून लागू करने के वादे को दर्शाता है। राज्य में भर्ती परीक्षाओं में कई अनियमितताएं देखी गई हैं, विशेष रूप से कांस्टेबल भर्ती और समीक्षा अधिकारीध्सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओध्एआरओ) भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने का मामला शामिल है।इन घटनाओं ने न सिर्फ पूरे सिस्टम की ईमानदारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं बल्कि लाखों अभ्यर्थियों की मेहनत भी बेकार कर दी है। परिणामस्वरूप इन परीक्षाओं को आयोजित करने के लिए जिम्मेदार संस्थान भी जांच के दायरे में आ गए हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेपर लीक के मामले को काफी गंभीरता से लेते हुए फुलप्रूफ परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था और कानून बनाने का निर्देश दिया है। एक महत्वपूर्ण भर्ती अभियान में, रिजर्व सिविल पुलिस में 60,244 पदों को भरने के लिए 4.8 मिलियन से अधिक उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए। हालाँकि, 18 और 19 फरवरी को आयोजित लिखित परीक्षा में समझौता हो गया, जिसके कारण लोकसभा चुनाव से पहले 24 फरवरी को इसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद, आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षाओं के दोनों सत्र भी इसी तरह के मुद्दों के कारण रद्द करने पड़े। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने आरओध्एआरओ (प्रारंभिक) परीक्षा 11 फरवरी, 2024 को निर्धारित की थी, लेकिन यह भी पेपर लीक से प्रभावित हुई।

इंडिया ब्लाक से अब क्यों नाराज हुई ममता, के सुरेश के नामांकन पर टीएमसी सांसदों ने नहीं किए साइन

नई दिल्ली 25 जून (एजेंसी) 18वीं लोकसभा मंगलवार को दूसरे सत्र के लिए जारी रहेगी, जिसमें 1952 के बाद पहली बार अध्यक्ष पद के लिए लड़ाई होगी क्योंकि एनडीए के ओम बिड़ला का मुकाबला इंडिया ब्लॉक के के सुरेश से होगा। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि लोकसभा के लिए

इंडिया ब्लॉक स्पीकर उम्मीदवार के सुरेश को मैदान में उतारने पर पार्टी से सलाह नहीं ली गई। सूत्रों ने कहा कि यह बयान दिए जाने से पहले कोई इंडिया गठबंधन में परामर्श नहीं हुआ है और न ही कोई सामूहिक निर्णय लिया गया है। इसलिए के सुरेश के नामांकन पर तीन बड़े दल तो साइन कर चुके हैं, लेकिन अब तक टीएमसी ने साइन नहीं किए हैं।प्रियंका चतुर्वेदी ने स्पीकर पद को लेकर एनडीए पर निशाना साधा

शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्पीकर पद विवाद पर एनडीए की आलोचना करते हुए कहा कि लोगों के जनादेश के बावजूद, सत्तारूढ़ गठबंधन जो आप चाहते हैं और समर्थन की उम्मीद करते हैं वह करना जारी रख रहा है।

इंडिया ब्लॉक द्वारा के सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए नामित किए जाने के बाद, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कहा कि अध्यक्ष किसी पार्टी के लिए नहीं हैं और सदन के कामकाज के लिए हैं। स्पीकर के पद को लेकर हमने विपक्ष के सभी सदनों के नेताओं से बातचीत की। स्पीकर किसी पार्टी के लिए नहीं है, यह सदन के कामकाज के लिए है। स्पीकर को सर्वसम्मति से चुना जाता है। यह निराशाजनक है कि कांग्रेस ने अपना नामांकन किया है।

हाईकोर्ट से रद्द हुई सीएम केजरीवाल की जमानत, अब फैसले के खिलाफ एससी जाएगी आप

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें मई में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी।

नई दिल्ली 25 जून (एजेंसी) मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को झटका देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने आज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें जमानत देने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाश पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर अपना फैसला सुनाया, जिसमें 20 जून के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। हाई कोर्ट ने ईडी के इन आरोपों से सहमति जताई कि ट्रायल कोर्ट ने जांच एजेंसी को ठीक से नहीं सुना। आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निचली अदालत से मिली जमानत पर रोक लगाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश से असहमत है और इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें मई में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी। वह 2 जून को जेल लौटे। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाश पीठ ने कहा कि निचली अदालत प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उसके समक्ष रखी गई सामग्री की सराहना करने में विफल रही और आप नेता की जमानत याचिका पर फैसला करते समय अपने दिमाग का इस्तेमाल नहीं किया।

फैसला सुनाते हुए कहा कि ईडी के दस्तावेजों पर गौर नहीं किया गया। ऐसा लग रहा है कि दलीलें सुनने के बाद ऐसा लग रहा है कि ये पीएमएलए की कंडीशन को ध्यान में नहीं रखा गया है। हाई कोर्ट ने कहा कि जमानत देते समय विशेष अदालत ने अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। ट्रॉयल कोर्ट ने रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं दिया।

राज्यसभा सत्र से पहले आप ने किया बड़ा ऐलान

संजय सिंह और राघव चड्ढा को मिला ये अहम रोल

राज्यसभा का सत्र 27 जून से शुरू होने जा रहा है। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद यह राज्यसभा का पहला सत्र है, जहां सभापति और उपसभापति के पद को लेकर खींचतान चल रही है।

नई दिल्ली 25 जून (एजेंसी) राज्यसभा सत्र से पहले, आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सांसद संजय सिंह को राज्यसभा में आप संसदीय दल के नेता के रूप में नामित किया है, जबकि सांसद राघव चड्ढा को उपनेता और एनडी गुप्ता को मुख्य सचेतक के रूप में नामित किया है। आप ने एनडी गुप्ता को अपना मुख्य सचेतक भी नामित किया है। गौरतलब है कि AAP के 10 राज्यसभा सांसद हैं, जिनमें से 3 दिल्ली से और 7 पंजाब से हैं। स्वाति मालीवाल भी आप सांसद हैं लेकिन दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के पूर्व सहयोगी विभव कुमार के खिलाफ उनके द्वारा दर्ज कराए गए मारपीट के मामले के बाद पार्टी के साथ उनके रिश्ते खराब हो गए हैं।

राज्यसभा का सत्र 27 जून से शुरू होने जा रहा है। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद यह राज्यसभा का पहला सत्र है, जहां सभापति और उपसभापति के पद को लेकर खींचतान चल रही है। बीजेपी ने जहां एक बार फिर ओम बिड़ला को स्पीकर उम्मीदवार बनाया है, वहीं विपक्ष की ओर से कांग्रेस के के सुरेश ने नामांकन दाखिल किया है. आजादी के बाद यह पहली घटना है कि अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होंगे। हालाँकि, कांग्रेस ने कहा था कि वह भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देगी यदि भाजपा परंपरा का पालन करेगी और विपक्ष को उपाध्यक्ष पद की पेशकश करेगी।

बहरहाल, विपक्षी खेमे में से एक के रूप में आप राज्यसभा में सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबला करने की तैयारी कर रही है। पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में 10 साल रहने के बाद, यह पहली बार है कि भाजपा सरकार के सफल संचालन के लिए गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर है। हालांकि, राज्यसभा में बीजेपी को हमेशा अपने दम पर बहुमत की कमी का सामना करना पड़ा है. लेकिन इस कार्यकाल में हालात बिल्कुल अलग हो गए हैं, विपक्ष इसे बीजेपी सरकार पर दबाव बनाने के मौके के तौर पर देख रहा है.

अध्यक्ष पद चुनाव निर्विरोध कीजिए, इंडिया ब्लाक को शरद पवार का सुझाव

नई दिल्ली 25 जून (एजेंसी) एनडीए और विपक्ष के बीच स्पीकर पद पर सहमति नहीं बन पाई और कांग्रेस के के सुरेश को इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार के रूप में चुना गया। उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया। विपक्ष एनडीए के स्पीकर चयन का समर्थन करने के बदले में डिप्टी स्पीकर का पद चाहता था। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, सरकार सशर्त समर्थन नहीं चाहती थी, जिससे आम सहमति टूट गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि एनडीए और विपक्ष के बीच परंपरा यह है कि उपसभापति का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए। उनका यह बयान दोनों पक्षों के बीच स्पीकर पद पर सहमति बनने के बाद आया है। स्पीकर पद को लेकर शरद पवार ने कहा कि सच बताऊं तो मैंने किसी के साथ चर्चा नहीं की है। ऐसी हमेशा की परंपरा रही है कि सत्तारूढ़ पार्टी के पास स्पीकर का पोस्ट जाता है। विरोधी पार्टी के साथ डिप्टी स्पीकर का पद जाता था। लेकिन पिछले 10 साल से मोदी सरकार के राज में उनकों ज्यादा सीटें मिलने के बाद उन्होंने विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का पद नहीं दिया।

हाथ में संविधान की प्रति लेकर राहुल गांधी ने ली शपथ, 'जय हिंद, जय संविधान' का लगाया नारा

नई दिल्ली 25 जून (एजेंसी) कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार (25 जून) को लोकसभा सांसद के रूप में शपथ ली और अपने हाथ में संविधान लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को दिखाया। उन्होंने अपना शपथ ग्रहण श्जय हिंद, जय संविधानश के नारे के साथ समाप्त किया। अमेठी से कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शपथ ले रहे हैं। लाल ने लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी उम्मीदवार स्मृति ईरानी को हराया था। इससे पहले कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जो वायनाड उपचुनाव के लिए उम्मीदवार भी हैं, 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में राहुल गांधी के शपथ ग्रहण से पहले आज संसद पहुंचे थे। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शपथ के लिए जब राहुल गांधी का नाम पुकारा गया तो कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे लगाने लगे। उनके शपथ लेने के बाद भी कांग्रेस सदस्यों ने 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे लगाए। राहुल गांधी ने वर्ष 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' और इस साल की शुरुआत में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' निकाली थी।उत्तर प्रदेश के मेरठ संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अरुण गोविल ने मंगलवार को लोकसभा की सदस्यता की शपथ संस्कृत में ली। जब शपथ के लिए अरुण गोविल का नाम पुकारा गया तो सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने 'जय श्री राम' का नारा लगाया। गोविल ने टेलीविजन के मशहूर धारावाहिक 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाई थी। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा सांसद महेश शर्मा ने भी संस्कृत में शपथ ली।

तमिलनाडु जहरीली शराब केस में 58 मौत को लेकर विधानसभा में हंगामा

एजेंसी/नई दिल्ली विपक्षी अन्नाद्रमुक के विधायकों को मंगलवार को सदन में अराजकता पैदा करने के लिए तमिलनाडु विधानसभा से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया, जब उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी को उठाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने कहा कि उन्होंने घटना के बारे में विस्तार से अपना स्पष्टीकरण पेश किया है, जहां उन्होंने इस त्रासदी में अपनी सरकार के कदमों की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें अब तक 58 लोगों की जान चली गई है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष ने अन्नाद्रमुक विधायकों से स्पष्ट रूप से कहा था कि वे प्रश्नकाल के बाद कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी को उठाएंगे।

स्टालिन ने कहा कि उन्हें चर्चा के लिए वहीं रुकना चाहिए था। वे जानबूझकर अराजकता पैदा करना चाहते थे।श मजबूरन स्पीकर को उन्हें विधानसभा से बाहर निकालना पड़ा। मैंने अध्यक्ष से कल्लाकुरिची पर चर्चा के लिए विपक्ष को उपस्थित रहने की अनुमति देने का अनुरोध किया। अध्यक्ष ने मेरा अनुरोध स्वीकार कर लिया लेकिन वे अभी भी व्यवधान पैदा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक की जीत ने अन्नाद्रमुक को हिलाकर रख दिया है। इस गुट ने राज्य की सभी 39 संसदीय सीटें जीत लीं।उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमारी जीत ने अन्नाद्रमुक को बुरी तरह प्रभावित किया है।

पुलिस के प्रयास से चार दम्पति एक साथ रहने पर राजी

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में वैवाहिक विवादों का त्वरित निस्तारण करने हेतु महिला थानाध्महिला परामर्श केन्द्र द्वारा प्रयास किया जा रहा है जिसके क्रम में मंगलवार को पति–पत्नी के परिवारिक विवाद सम्बन्धी 07 मामले में दोनों पक्ष के लोग उपस्थित आये। महिला थानाध्महिला परामर्श केन्द्र द्वारा काउंसलिंग करने के परिणामस्वरूप 04 प्रार्थना पत्रों में दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनते हुए आपसी सहमति से सुलह समझौता कराया गया। दोनों पक्षों द्वारा आपस में एक– दूसरे को विश्वास दिलाया गया कि हम दोनों नवजीवन की नई शुरूआत करते हुए हंसी–खुशी अपना जीवन यापन करेंगें। महिला थाना प्रभारीध्काउंसलरों द्वारा दंपति को नवजीवन की शुरूआत की शुभकामनाएं देते हुए समझाया गया कि बीती बातों को लेकर विवाद नही करेंगे और आपस में प्यार से रहेंगें। महिला थाना प्रभारीध्काउंसलरों द्वारा 15 दिन बाद दम्पति की कुशल क्षेम पूछने हेतु पुनः बुलाया गया है।

शौच करने गए बुजुर्ग की करंट की चपेट में आकर मौत

बेलहरा बाराबंकी। खेत में शौच करने गए एक बुजुर्ग की झटका मशीन के करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। हलांकि परिजनों ने बीमारी से मौत होने की बात कही है। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र अंतर्गत कुतलूपुर गांव निवासी 75 वर्षीय हुसैनी मंगलवार सुबह गांव के प्रधान के खेत मे लगे गन्ने में शौच करने गए थे इसी दौरान वह खेत में ही गश खाकर गिर गए।जानकारी पर पहुचे परिजन जब तक इलाज के लिए कहीं ले जाते तब तक हुसैनी ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।इधर इलाके में चर्चा है कि हुसैनी की मौत खेत में जानवरों से बचाव के लिए लगाए गए झटका मशीन कि चपेट में आकर हुई है। हलांकि मृतक के बेटे माता प्रसाद ने किसी पर कोई आरोप नही लगाया है। मौत की वजह बीमारी बताई है।इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी अनिल सिंह ने बताया कि बुजुर्ग की मौत बीमारी से हुई है। बुजुर्ग पहले से बीमार चल रहा था करंट जैसी कोई बात नही है।

अब जालसाजी से मुक्त होगी संपत्ति की खरीद-फरोख्त, नये फीचर्स के साथ जल्द आनलाइन उपलब्ध होंगे ई-स्टाम्प

लखनऊ(संवाददाता)। अब संपत्ति की खरीद–फरोख्त अथवा एग्रीमेंट में स्टाम्प पेपर की जालसाजी नहीं हो सकेगी। इतना ही नहीं स्टाम्प पेपर की कालाबाजारी और कमीशनखोरी पर भी अंकुश लगेगा। राज्य सरकार ई–स्टाम्प को और अधिक सुरक्षित बनाने जा रही है। इसके लिए स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग की तैयारियां पूरी हैं। शुरुआत में छोटी रकम के ई–स्टाम्प के जरिए इस सुविधा का लाभ जनता को देने की तैयारी है। दरअसल, इन ई–स्टाम्प को आधार कार्ड के जरिए ऑनलाइन सत्यापित करने के बाद पर्सनलाइज्ड करके उसी आधार कार्ड धारक के द्वारा के प्रयोग के लिए प्राप्त किया जा सकेगा। इससे जाली स्टाम्प के डर से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाएगी। विभाग ई–स्टाम्प के नये प्रारूप की डिजाइन भी फाइनल कर चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर फिलहाल 100 रुपए से कम के ई–स्टाम्प को लेकर ये प्रयोग किया जाएगा। नये प्रारूप की रूपरेखा और ई–स्टाम्प को सुरक्षित रखने के लिए 9 प्रकार के विशेष नये सिक्योरिटी फीचर्स इस्तेमाल में लाए गये हैं। इसमें 1–डी बार कोड, स्टैटिक लाइन, स्टैटिक एसडी अमाउंट, टेक्स्ट थ्रेड, एएसवाईएम सर्टिफिकेट आईडी, खरीददार का नाम, सिंगल लेयर लोगो, टेक्स्ट थ्रेड डेट, टेक्स्ट रिबन और बीजी का उपयोग किया गया है। इसके जरिए जाली स्टाम्प बनाना असंभव हो जाएगा। 2023–24 के आंकड़ों के अनुसार 100 रुपए से अधिक मूल्य के 47 लाख से अधिक ई–स्टाम्प जारी किये गये, वहीं 100 रुपए से कम मूल्य के 2 करोड़ 56 लाख से अधिक ई–स्टाम्प पेपर जारी किये जा चुके हैं। माना जाता है कि छोटे मूल्य के स्टाम्प पर कमीशन कम होता है, अक्सर ऐसी शिकायतें भी मिलती हैं कि कुछ वेंडर छोटे मूल्य के स्टाम्प की किल्लत बताकर कालाबाजारी का भी प्रयास करते हैं। अब छोटे मूल्य के ई–स्टाम्प की उपलब्धता के बाद इस प्रकार की परेशानियों से भी छुटकारा मिलेगा।

आपातकाल की 50वीं बरसी पर बोले योगीः इमरजेंसी का विरोध करने वाले आज कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गये

लखनऊ(संवाददाता)। आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना नाम लिए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 50 वर्ष पहले कांग्रेस सरकार द्वारा देश पर थोपे गये आपातकाल का विरोध करने वाले आज सत्ता के लालच में उसी कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गये हैं जिन्हे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर सीएम योगी ने मंगलवार को यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने आपातकाल लागू कर संविधान का गला घोंटा था। इससे पहले भी देश की आजादी के बाद कांग्रेस ने संविधान में जबरन संशोधन कर कश्मीर में धारा 370 लागू करायी थी जो देश की एकता और अखंडता के लिये गंभीर खतरा बन गयी थी। कांग्रेस के लिये देश की लोकतांत्रिक प्रणाली और संविधान का मखौल उड़ाना कोई नयी बात नहीं है। उनके नेताओं को जब मौका मिलता है तो देश में नहीं बल्कि विदेशी सरजमीं पर संविधान पर सवाल खड़े करते रहे है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने तो पिछले वर्षो में सरेआम संसद में एक विधेयक की प्रतियां जला कर लोकतंत्र का अपमान किया था। योगी ने कहा कि संविधान का बार बार अपमान करने वाली कांग्रेस का आज सिर्फ चेहरा बदला है मगर चरित्र वही है। वहीं सत्ता के लालच में इमरजेंसी का विरोध करने वाले राजनेताओं द्वारा खड़े किये गये दल कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गये हैं। यह पूरा देश देख रहा है और जनता इसे माफ करने वाली नहीं है। बंगाल और केरल समेत आज जहां जहां भी कांग्रेस अथवा उसके सहयोगी दलों की सरकार है, वहां खुलेआम लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है जबकि दूसरी ओर कांग्रेस और उसके सहयोगी संविधान की दुहाई देकर संसद की कार्यवाही को बाधित करने का प्रयास कर रहे है जो लोकतंत्र और संविधान का सरासर अपमान है।

पेपर लीक के खिलाफ समाजवादी छात्र सभा का प्रदर्शन

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी छात्र सभा ने आज नीट, नेट परीक्षाओं में पेपर लीक और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की कार्यप्रणाली के खिलाफ लखनऊ में वध्रिोध प्रदर्शन कध्या। विरोध प्रदर्शन के चलते विक्रमादित्य मार्ग पर पुलिस ने रास्ता बंद कर दिया। सपा छात्र सभा के सदस्य सपा कार्यालय से लोक भवन की ओर जुलूस निकाल रहे थे। वे काले झंडे लिए हुए और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे थे। जुलूस विक्रमादित्य मार्ग पर पहुंचा, पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसे लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। पुलिस ने सपा छात्र सभा के कई पदाधिकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते रहे और अपनी मांगों को जोरदार तरीके से प्रस्तुत करते रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को ईको गार्डन भेज दिया। पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदर्शन सरकार की विफलताओं को उजागर करने के लिए था,वे अपने छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट और नेट जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं बार–बार हो रही हैं, जिससे छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे सुधारने की मांग की।

जीत के बाद भी नही ले सकेंगे शपथ !

अफजाल अंसारी का भविष्य हाइकोर्ट के आदेश पर निर्भर

लखनऊ(संवाददाता)। 18वीं लोकसभा का गठन हो चुका है। सांसदों को शपथ दिलाई जा रही है और सदन की कार्यवाही शुरु है लेकिन उत्तर प्रदेश से सवा लाख वोटों के अंतर से चुनाव जीतने वाले एक सांसद न सदन की कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे और न सांसद निधि का इस्तेमाल कर सकेंगे। उनके संसद सदस्य के तौर पर शपथ लेने पर सस्पेंस है।यह सांसद गाजीपुर से नवनिर्वाचित सपा सांसद अफजाल अंसारी हैं।बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय के परिवार के अधिवक्ता सुदिष्ट सिंह के मुताबिक अफजाल अंसारी सांसद निर्वाचित होने के बाद अगर संसद सदस्य के पद की शपथ लेते हैं तो यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना होगी।उनके मुताबिक दिसंबर 2023 का सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश है उसमें यह बिल्कुल स्पष्ट है। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट में मिली सजा पर रोक लगाते हुए पांच शर्तें लगाई हैं। पहली शर्त थी कि गाजीपुर में उपचुनाव नहीं होंगे,दूसरी सदन की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे।सांसद निधि का उपयोग नहीं करेंगे और वोटिंग भी नहीं करेंगे, जब तक कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में पेंडिंग अपील निस्तारित नहीं हो जाती। तब तक शपथ भी नहीं ले सकते हैं जब तक कि अपील निर्णीत न हो जाए।अधिवक्ता सुदिष्ट सिंह का कहना है कि क्योंकि शपथ लेना भी प्रोसिडिंग का ही हिस्सा है। सुदिष्ट सिंह के मुताबिक अफजाल अंसारी के पास विकल्प है कि वह अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट से आदेश का क्लेरिफिकेशन मांग लें, जिसमें अपेक्स कोर्ट यह स्पष्ट कर दे कि वह शपथ ले सकते हैं या नहीं। अगर अफजाल अंसारी सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेते हैं तो यह सीधे तौर पर कोर्ट के आदेश की अवमानना होगी। इसके बावजूद अफजाल अंसारी संसद सदस्य पद की शपथ लेते हैं और सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेते हैं तो अपने क्लाइंट की ओर से वह अदालत में कंटेंप्ट दाखिल कर सकते हैं। मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी 17वीं लोकसभा में बसपा से निर्वाचित सांसद थे लेकिन गैंगस्टर से जुड़े एक मुकदमे में गाजीपुर की एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट ने 29 अप्रैल 2023 को अफजाल अंसारी को 4 साल कैद और एक लाख जुर्माने की सजा सुनाई थी।सजा सुनाए जाने के बाद अफजाल अंसारी की संसद सदस्यता रद्द हो गई थी और उन्हें जेल जाना पड़ा था। सजा को अफजाल अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती भी दी थी।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अफजाल अंसारी की जमानत मंजूर कर ली थी, लेकिन सजा पर रोक नहीं लगाई थी। हाईकोर्ट के फैसले की खिलाफ अफजाल अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की,जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने अफजाल अंसारी की सजा पर रोक लगा दी और इलाहाबाद हाईकोर्ट को उनकी अपील 30 जून से पहले निस्तारित करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट से रोक लगने के बाद अफजाल अंसारी की लोकसभा सदस्यता बहाल हो गई थी।उन्होंने गाजीपुर लोकसभा सीट से बतौर सपा प्रत्याशी चुनाव लड़ा और करीब सवा लाख वोटों के अंतर से जीत भी दर्ज की लेकिन लोकसभा चुनाव जीतने के बाद भी सुप्रीम कोर्ट के दिसंबर में दिए गए आदेश के तहत नवनिर्वाचित सपा सांसद अफजाल अंसारी संसद सदस्य की सदस्यता नहीं ग्रहण कर सकेंगे। सदन की कार्यवाही में भी हिस्सा नहीं ले सकेंगे। संसद सदस्य की सदस्यता और कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे तो सांसद निधि का भी उपयोग नहीं कर पाएंगे। उनके चुनाव के बाद भी पूरा भविष्य हाईकोर्ट के फैसले पर टिका हुआ है।इलाहाबाद हाईकोर्ट में उनकी अर्जी पर सुनवाई अब 2 जुलाई को होनी है। मूल केस में दोनों पक्षों की बहस लगभग पूरी हो गई है। अपील में अफजाल अंसारी ने जहां 4 साल की सजा को रद्द किए जाने की मांग की है, तो वहीं यूपी सरकार और कृष्णानंद परिवार की तरफ से अफजाल अंसारी की सजा को 4 साल से बढ़कर 10 साल किए जाने की अपील की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट गैंगस्टर एक्ट में मिली 4 साल की सजा रद्द नहीं करती है तो चुनाव जीतने के बावजूद अफजाल अंसारी के संसद सदस्यता रद्द हो सकती है। अफजाल अंसारी के अधिवक्ताओं की दलील है कि जिस बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय मर्डर केस के आधार पर उनके ऊपर गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की गई थी।इस केस में वह पहले बरी हो चुके हैं। इस आधार पर उन्हें गैंगस्टर एक्ट के तहत सजा नहीं दी जा सकती है। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय के बेटे पियूष राय के अधिवक्ता सुदिष्ट सिंह का कहना है कि इसी मुकदमे में अभियुक्त मुख्तार अंसारी को कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई थी इसलिए अफजाल अंसारी की भी सजा बढ़नी चाहिए। अफजाल अंसारी का राजनीतिक भविष्य अब इलाहाबाद हाई कोर्ट में लंबित अपील के फैसले पर टिका है।

पांचों डिफेंस कारिडोर को पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी

2.70 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ और कानपुर में 571 करोड़ से होगा विकास

सेना को और सशक्त बनाएंगे चित्रकूट-अलीगढ़ के हथियार

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पांचों डिफेंस कॉरिडोर में रक्षा इकाइयां तेजी से लगेंगी। लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के डिफेंस कॉरिडोर को पर्यावरण मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। इसके बाद इन पांचों डिफेंस कॉरिडोर के औद्योगिक विकास का रास्ता साफ हो गया है। पहले चरण में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश तेजी से होगा। एनओसी मिलने के साथ ही न्यूनतम 2.70 लाख नए रोजगार के रास्ते भी खुल गए हैं। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने 21 जून को पांचों डिफेंस कॉरिडोर के लिए पर्यावरण एनओसी की जानकारी दी। 18 जनवरी को पर्यावरण मंत्रालय ने सैद्धांतिक सहमति दे दी थी और 21 जून को अनुमति प्राप्त हो गई। अब इन पांचों नोड में विस्फोटक सामग्री, हथियार, टैंक, तोप, गोला–बारूद, मोटर इंजन, हेलीकाप्टर, एयरक्राफ्ट की बॉडी, मिसाइल, रोबोटिक्स, फायरिंग रेंज, टेस्टिंग रेंज, मिसाइल उपकरण, ड्रोन और इलेक्ट्रानिक वारफेयर उपकरण का निर्माण होगा। पांचों डिफेंस नोड को जल सप्लाई संयंत्र, वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम, कॉमन इफ्यूलिएंट ट्रीटमेंट प्लांट, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज, एयर क्वालिटी मानीटरिंग सिस्टम और शोर मानीटरिंग सिस्टम जैसी सुविधाओं से लैस किया जाएगा।लखनऊ की सरोजनी नगर तहसील के भटगांव और हरौनी तहसील की 165 हेक्टेयर जमीन का विकास होगा। 33 फीसदी जमीन को पेड़ों से आच्छादित किया जाएगा। 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। कानपुर डिफेंस कारीडोर के तहत साढ़ तहसील की 385 हेक्टेयर जमीन को भी ग्रीन क्लीयरेंस मिल गई है। यूपीडा यहां 23,485 पेड़ लगाएगा। इंजीनियरिंग और सेकेंडरी धातुकर्म से जुड़ी रक्षा इकाइयों को प्राथमिकता दी जाएगी। ये नोड 37,440 रोजगार देगा। चित्रकूट की कर्वी तहसील के अंतर्गत खुटैरा व बुक्ताबुजुर्ग की 102 हेक्टेयर जमीन को भी हरी झंडी मिल गई है। इस पर 60 करोड़ खर्च होंगे और 18 हजार से ज्यादा रोजगार मिलेंगे। अलीगढ़ के डिफेंस कॉरिडोर के तहत अंडाला खैर और कोइल तहसील के गांव हैबतपुर, करसुआ, कीरतपुर निमाना की 500 हेक्टेयर जमीन में इलेक्ट्रानिक युद्ध उपकरण, ड्रोन, टेलीस्कोप और छोटे हथियार बनेंगे। इंजीनियरिंग और सेकेंडरी धातुकर्म से जुड़ी रक्षा इकाइयों को जमीन दी जाएगी। इनकी उत्पादन क्षमता 30 हजार टन सालाना से ज्यादा होगी।झांसी में गरौठा तहसील में 500 हेक्टेयर जमीन का करीब 475 करोड़ रुपये से विकास किया जाएगा। झांसी नोड में 1,076 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया रहा है। यूपीडा के मुताबिक झांसी डिफेंस कॉरिडोर 1,67,200 रोजार देगा।

स्कूलों में बच्चों को मिलेंगे नजर के चश्मे-कंचन

लखनऊ(संवाददाता)। प्राइमरी स्कूलों में कमजोर नजर वाले बच्चों की आंखों की जांच कराकर उन्हें चश्में दिये जायेंगे। जो अन्य दिव्यांगों को उनके प्रमाण पत्र के साथ सहायक उपकरण दिए जाएंगे। प्रदेश भर के प्राइमरी स्कूलों में पहली जुलाई से इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान आगामी 31 अगस्त तक लगातार चलेगा। बेसिक शिक्षा विभाग यह कार्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से कराएगा। इसके तहत अलग–अलग तिथियों व दिनों में स्कूलों में चिकित्सा कैम्प लगाये जायेंगे जिनमें विशेषज्ञ चिकित्सक बच्चों के स्वास्थ्य एवं दिव्यांगता की जांचें करेंगे।इस संबंध में स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने प्रदेश के बीएसए के नाम सर्कुलर जारी कर दिया है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में 12 मार्च 2024 को किये गये संशोधन के अनुसार जो निर्देश जारी किये गये हैं उसे लागू करने के लिए तय तिथि से पहले अपने जिलों में इसकी तैयारी कर लें। अभियान के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जो स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा।

प्राइमरी स्कूलों में फिर होंगी सत्र परीक्षाये

लखनऊ(संवाददाता)। नए शैक्षिक सत्र से प्राइमरी स्कूलों में फिर से सत्रीय परीक्षाएं शुरू होंगी। ये सत्रीय परीक्षाएं अगस्त व दिसंबर में होंगी। वहीं अक्टूबर में अर्द्धवार्षिक और मार्च में वार्षिक परीक्षाएं होंगी। तीन वर्ष पूर्व कोरोना महामारी के कारण सत्रीय परीक्षाओं पर रोक लगा दी गई थी। ऐसे में सिर्फ दो बार ही मूल्यांकन हो पा रहा था। बेसिक शिक्षा विभाग अब फिर से दोनों सत्रीय परीक्षाएं शुरू कराने जा रहा है। इस प्रकार से अब परिषदीय स्कूलों के छात्रों का साल भर में चार बार मूल्यांकन होगा।वर्ष 2024–25 के शैक्षिक कैलेण्डर में दोनों सत्रीय परीक्षाओं को फिर से शामिल कर लिया गया है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस बारे में निर्देश जारी कर कर दिए हैं।

000000

छा गया संविधान का पाकेट साइज एडिशन

लखनऊ(संवाददाता)। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष का सबसे बड़ा हथियार संविधान रहा। पक्ष और विपक्ष दोनों के भाषणों में संविधान की चुनावी कैंपेन में चर्चा होती रही। चुनाव संविधान बदलने के आरोपों के बीच लड़ा गया। इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया था कि एनडीए 400 सीटों का दावा इसलिए कर रही हैं क्योंकि वह संविधान बदलना चाहती हैं। बीजेपी के ही लीडरों ने विपक्ष को यह मुद्दा बैठे बैठाए सौंप दिया था, कहा जाय तो शायद गलत नहीं होगा।चुनाव के दौरान भाजपा के कई नेताओं ने सार्वजानिक घोषणा भी की थी कि 400 सीटें हासिल कर संविधान में बदलाव किया जाएगा। अयोध्या के सांसद रहे लल्लू सिंह इसी के चलते संसद में वापसी नही कर पाये। राहुल गांधी इस मुद्दे पर सबसे ज्यादा मुखर थे। इस मसले पर अखिलेश यादव भी कुछ कम नही बोले। राहुल गांधी तो जनसभाओं में संविधान की लाल किताब के साथ पहुँचते थे। लोकसभा सत्र के पहले दिन तो भी इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी सांसदों के हाथ में पॉकेट साइज के संविधान की किताब थी। लोगों के जेहन में सवाल है कि यह कौन सा संविधान है जो इतने छोटे आकर का है। ईस्टर्न बुक कंपनी लखनऊ के सेल्स हेड सुधीर कुमार के मुताबिक श्यह संविधान का कोट–पॉकेट एडिशन है। इसके आकार के अनुरूप यह एक जज या ऐडवोकेट की जेब में आ जाती है इसलिए इसका नाम कोट–पॉकेट एडिशन रखा गया है। 2009 में इसे पहली बार प्रकाशित किया गया था। इसमें बाइबिल पेपर का इस्तेमाल किया गया है जो बहुत पतला होता है।

"मोदी सरकार" ने राजनैतिक लाभ लेने के लिये भगवान श्रीराम के मंदिर को भी नहीं बख्शा : प्रमोद तिवारी,

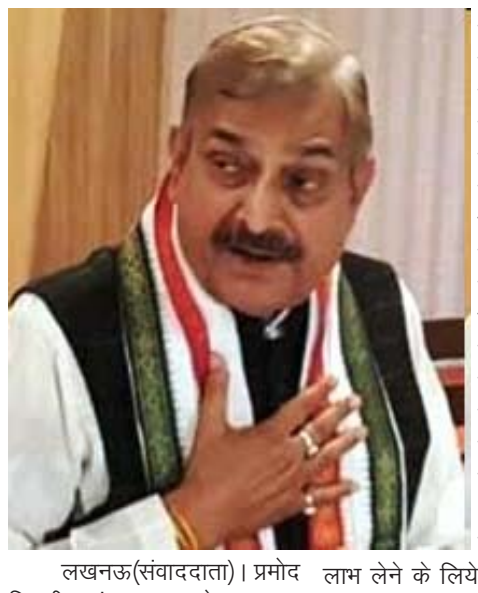

लखनऊ(संवाददाता)। प्रमोद तिवारी सांसद, उप नेता, राज्य सभा ने कहा है कि लोक सभा चुनाव में राजनैतिक लाभ लेने के लिये आनन फानन में अधूरे राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करा दी गयी, और इसीलिये समस्त शंकराचार्यो ने तथा बहुत से राजनैतिक, धार्मिक लोग इसमें सम्मिलित नहीं हुये थे। मैने स्वयं राज्य सभा में प्राण प्रतिष्ठा की तिथि दिनांक– 22 जनवरी, 2024 पर स्थिति स्पष्ट करते हुये कहा था कि अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा नहीं होनी चाहिए, बल्कि मंदिर के पूरी तरह निर्मित हो जाने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी। श्रीरामलला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास जी ने बयान दिया है कि गर्भ गृह की छत से पानी के रिसाव की समस्या आ गयी है, और पानी टपक रहा है, गर्भ गृह के बाहर वीआईपी दर्शन स्थल पर भी तेजी के साथ छत से पानी टपक रहा है । श्री तिवारी ने कहा है कि 22 जनवरी, 2024 को मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी । अभी 5 माह भी पूरे नहीं हुये है, और बरसात भी बहुत हल्की हुई है, तथा अभी मानसून की बरसात बाकी है, ऐसे में मंदिर की छत से पानी का रिसाव होना घटिया निर्माण सामग्री और निर्माण की गुणवत्ता पर उँगलिया उठाता है तथा प्रश्नवाचक चिन्ह लगाता है। श्री तिवारी ने कहा है कि "मोदी सरकार" ने राजनैतिक लाभ लेने के लिये भगवान श्रीराम के मंदिर को भी नहीं बख्शा। हम सबकी राम मंदिर के प्रति अगाध श्रद्धा, निष्ठा एवं विश्वास है, इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। ऐसी आशंका व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2025 तक की निर्धारित तिथि आने तक भी मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हो पायेगा। आज "मोदी सरकार" के चेहरे से नकाब उतर गया है और उसकी असलियत देश के सामने आ गयी है कि मात्र राजनैतिक लाभ लेने के लिये अधूरे मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। मोदी जी ने जैसी आशा लोक सभा चुनाव में की थी वैसा लाभ चुनाव में उन्हें नहीं मिला, और आज वे दूसरे दलों के समर्थन से अल्पमत की सरकार चला रहे है । केन्द्र में मोदी जी की सरकार बनने से लेकर अब तक देष में कई दुर्घटनायें और आतंकवादी घटनायें हो चुकी है। पूरे देश के लोग जो श्रीराम जी के भक्त है वे इससे चिंतित है, और जो श्रीराम जी के भक्त नहीं है और जो श्रीराम के नाम पर बैतरणी पार करना चाहते थे वे उनके नाम का व्यापार करके अपना हित साधने में लगे हुये हैं। श्री तिवारी ने श्रीराम मंदिर निर्माण ट्रस्ट से आग्रह किया है कि वे पानी के रिसाव को तत्काल रोके, और ऐसी व्यवस्था करें कि दोबारा रिसाव न हो। मंदिर में दर्शन का कार्यक्रम सुचारू रूप से निर्विघ्न रूप से चलता रहे । मंदिर की छत से हल्की बरसात में पानी का रिसाव होने से "मोदी सरकार" के तमाम "काले अध्याय" में एक और "काला अध्याय" जुड़ गया है। श्री तिवारी ने सवालिया निशान लगाते हुये "मोदी सरकार" से आग्रह किया है कि अपने राजनैतिक लाभ के लिये भगवान श्रीराम के नाम का दुरुपयोग न करें ।

श्री तिवारी ने कहा है कि "मोदी सरकार" अघोषित इमरजेन्सी लगाकर लोकतन्त्र की परम्पराओं का हनन कर रही है, प्रजातन्त्र में परम्पराओं,कन्वेशन का वही महत्व होता है जो नियमावली में होता है। आजादी के बाद से देश का संसदीय इतिहास देख लें, तो चाहे लोक सभा का रहा हो अथवा विधान सभाओं का हो, अध्यक्ष का पद कांग्रेसध्सतारूढ़ दल के पास रहा, और उपाध्यक्ष का पद विरोधी दल के पास रहा है किन्तु मोदी जी के समय से उपाध्यक्ष का पद या तो रिक्त रहा है या सहयोगी दल को देते है, यह लोकतन्त्र की हत्या से कम नहीं है, और इसीलिये हमने के. सुरेश को अध्यक्ष के पद के लिये विरोध स्वरूप उतारा है ।

राजधानी में अदा की गई ईद-ए-गदीर की नमाज, शिया समुदाय के लोग पहुंचे

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को ईद–ए–गदीर की नमाज अदा की गई। सआदत गंज स्थित मस्जिद–ए– कूफा में बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा किया। नमाजियों ने गले मिलकर एक दूसरे को मुबारकबाद दिया। इस मौके पर पुराने लखनऊ में जगह–जगह सबील और लंगर भी बांटा गया। ज्यातर शिया समुदाय ने ईद–ए–गदीर पर लाल रंग का वस्त्र पहनकर नमाज अदा किया। नमाज के बाद शिया धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि ईद उल अजहा (बकरीद) के एक सप्ताह बाद 18 जिल्हिज्जा को ईद–ए–गदीर मनाई जाती है।

रामलला के दरबार में शीश नवाने पहुंची हरियाणा सरकार

-हरियाणा के सीएम, विधानसभा अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री और विधायकों ने किया रामलला का दर्शन

-तीसरी बार भी हरियाणा में बनेगी भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार रु नायब सैनी

अयोध्या (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को यहां श्रीरामलला के मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान हरियाणा के वि‍धानसभा अध्यक्ष, कैबिनेट के मंत्रीगण और विधायकगण भी मौजूद रहे। इससे पूर्व नायब सैनी ने श्री राम जन्मभूमि न्यास और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से मिलकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हरियाणा से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक–चौबंद इंतजाम किए गए थे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए थे। एयरपोर्ट पर प्रदेश के राज्य मंत्री सतीश शर्मा व अयोध्या के मेयर गिरीशपति त्रिपाठी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारे लिए यह गौरव का क्षण है। हमारी संस्कृति हमारी आस्था के प्रतीक भगवान श्री राम का यह भव्य और दिव्य मंदिर 500 वर्षों के बाद हमें देखने को मिला है। हमें एक अलग ऊर्जा भगवान श्री राम के दर्शन करने से मिलती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यहां श्रीराम का भव्य और दिव्य धाम तैयार हो रहा हैं। अयोध्या में हो रहा विकास एक मॉडल के रूप में हम सबके सामने है। उन्होंने कहा कि अयोध्या हमारी संस्कृति और आस्था का केंद्र बिंदु है।

इससे पहले नायब सैनी ने सरयू के दर्शन भी किये और हनुमानगढ़ी में पूजन–अर्चन किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा जा रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा बहुमत के साथ हरियाणा की सत्ता में आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में हम तीसरी बार सरकार बनाएंगे। नरेंद्र मोदी का जो सपना है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, उसमें हरियाणा भी अपनी भूमिका निभाएगा। हरियाणा सरकार द्वारा दिल्ली को पानी न दिए जाने के आम आदमी पार्टी के आरोप पर जवाब देते हुए नायब सैनी ने कहा कि दिल्ली को जितना पानी चाहिए हरियाणा उतना पानी दे रहा है। केजरीवाल सरकार का मैनेजमेंट सही नहीं है, उनका ध्‍यान केवल भ्रष्टाचार पर है। उन्हें भ्रष्टाचार से ध्यान हटाकर आम जनता की सेवा करनी चाहिए।

बीटेक में चयनित हो दिव्यांश ने बढ़ाया मान

अयोध्या (एजेंसी)। देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड में सफलता हासिल कर जेबी अकादमी के छात्र दिव्यांश मिश्र ने आईआईटी में बीटेक के लिए चयनित हो अकादमी व जिले का मान बढ़ाया है। डॉ. दिनेश मिश्र व शर्मिला मिश्रा के पुत्र दिव्यांश का चयन जोसा काउंसलिंग के पहले राउंड में आईआईटी भुवनेश्वर में बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए हुआ है। सेल्फ स्टडी व ऑनलाइन कोचिंग से जेईई की तैयारी कर सफल रहे दिव्यांश कहते है कि एकाग्र होकर सिलेबस के अनुरूप तैयारी करना, प्रैक्टिस पेपर सॉल्व करना तथा अधिक से अधिक मॉक टेस्ट देना सफलता में अहम भूमिका निभाता है।

संक्षिप्त खबरें.......

ट्रक ने मारी कार में टक्कर बाल-बाल बचे डाक्टर

अयोध्या (एजेंसी)। कोतवाली नगर अंतर्गत पुलिस चौकी नवीन मंडी क्षेत्र के रायबरेली रोड ओवर ब्रिज पर ट्रक ने मारी कार में टक्कर कार हुई क्षतिग्रस्त चिकित्सक बचे बाल बाल प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला चिकित्सालय अयोध्या में तैनात डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा अपनी इवनिंग ड्यूटी करके रात्रि लगभग 9:30 बजे अपनी कार से घर जा रहे थे की रायबरेली रोड ओवर ब्रिज पर ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दिया जिसके चलते कार क्षतिग्रस्त हो गई एवं चिकित्सक सुरक्षित बच गए और दुर्घटना करने वाली ट्रक भाग निकली डॉक्टर द्वारा डायल 112 को दूरभाष से अवगत कराया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में रस्सी के सहारे लटका मिला किशोरी का शव

मिल्कीपुर–अयोध्या (एजेंसी)। इनायत नगर थाने के हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम मलेथू बुजुर्ग में गांव के बाहर एक पेड़ में रस्सी के सहारे एक किशोरी का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम मलेथू बुजुर्ग में दोपहर लगभग 1:30 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में रामसुख कोरी की 16 वर्षीय पुत्री का शव गांव के पश्चिम कठूमर के पेड़ में पन्नी से बनी बाध की रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला। परिजनों ने बताया कि सुबह 7:00 बजे धान की रोपाई के लिए घर से निकली थी। दोपहर 1:00 बजे घर न पहुंचने पर जब घर वालों ने ढूंढना शुरू किया तो पता चला कि सुबह धान की रोपाई करने खेत में नहीं गई थी। लोगों ने शव पेड़ से लटकता देख ग्रामीणों में कानाफूसी होने लगी। धीरे–धीरे घटना की जानकारी परिजनों तक पहुंच गई। परिजनों के माध्यम से घटना की जानकारी चौकी प्रभारी हैरिंग्टनगंज को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही इनायतनगर इंस्पेक्टर अभिमन्यु शुक्ला मौके पर पहुंचे, उन्होंने ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फॉरेंसिक टीम को मौके पर जांच पड़ताल के लिए बुलाया गया है।

विद्युत करंट की चपेट में आकर युवक की मौत

मिल्कीपुर–अयोध्या (एजेंसी)। इनायत नगर थाना क्षेत्र के गुजरामऊ गांव में जर्जर लाइन का तार बदलते समय विद्युत करंट की चपेट में आकर 35 वर्षीय युवक अवधेश यादव की मौत हो गई है। पुलिस ने युवक का शव कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराने के उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक एनसीसी कंपनी द्वारा मिल्कीपुर ब्लाक क्षेत्र के गुजरा मऊ गांव में पुरानी विद्युत लाइन के तारों को बदलने का काम कराया जा रहा है। ठेकेदार कन्हैया प्रसाद द्वारा बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के असरेवा मठिया गांव निवासी 35 वर्षीय युवक अवधेश यादव पुत्र रामानंद को तार बदलने के कार्य में में लगाया गया था। सोमवार को करीब 3 बजे शटडाउन होने के बावजूद भी अचानक विद्युत आपूर्ति हो जाने के चलते लाइन पर काम कर रहा युवक अवधेश यादव झुलसकर नीचे जा गिरा। मौके पर मौजूद ग्रामीणों एवं अन्य साथियों द्वारा उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। लाइन तार बदलवाने का काम करा रहे ठेकेदार कन्हैया प्रसाद का कहना है कि उसके द्वारा जेई और एसडीओ से कहकर शटडाउन लिया गया था, किंतु उपकेंद्र के जिम्मेदार लोगों द्वारा अचानक लाइन चालू कर दी गई, जिसके चलते यह हादसा हो गया है।

साकेत कालेज मे वार ट्राफी टैंक टी 55 भीम पुंजनोपरांत स्थापित

अयोध्या (एजेंसी)। का.सु. साकेत महाविद्यालय मे वार ट्राफी टैंक टी 55 भीम पुंजनोपरांत स्थापित हुआ। टी 55 भीम टैंक मुख्य युद्धक टैंक है। स्थापित टैंक भारत–पाकिस्तान युद्ध 1965 और 1971 मे इस्तेमाल किया गया था। मुख्य भवन के ठीक सामने टैंक छात्र छात्राओं को न केवल भारतीय सेना मे योगदान और देश के लिए बलिदान को प्रेरित करेगा बल्कि उन जवानों के प्रति भी कृतज्ञता का भाव विकसित करेगा जो युद्ध के मैदान मे ऐसे टैंकों के अंदर प्रतिकूल परिस्थिति मे बैठकर देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं ताकि हम चौन से सो सकें। वार मेमोरियल ट्रॉफी अपने परिसर मे स्थापित करने वाला उत्तर प्रदेश का दूसरा महाविद्यालय है। शिक्षको के एक वर्ग मे शिक्षा संस्थान मे तोप स्थापित कराये जाने के औचित्य और प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। इन सबके बीच छात्र– छात्राओं, आम जन मे तोप के साथ सेल्फी खिंचवाने की होड़ लगी हुई है। टी 55 टैंक सोवियत रूस द्वारा निर्मित है। रक्षा मंत्रालय एवं सेना मुख्यालय से आवंटित एवं कैफ किरकी, पुणे महाराष्ट्र के संरक्षित अयुधागार से यह टैंक महाविद्यालय को हस्तगत कराया गया। महाविद्यालय में स्थापना के समय प्रो आशुतोष सिंह , प्रो अशोक मिश्र, प्रो ओम प्रकाश, प्रो भगवती धर दिवेद्वी, प्रो अखिलेश सिंह, प्रो सत्य प्रकाश गुप्त प्रो अंजनी कुमार सिंह प्रो आलोक सिंह, प्रो उमापति डा डी यन गुप्ता, नंद किशोर पाठक बरसर सहायक लेखाकार, अग्रहरी, चंद्र प्रकाश ज्ञान गुप्ता, इंजीनियर संजय श्रीवास्तव अनिल कुमार दुबे आदि लोग मौजूद रहे।

ट्रेलर में पीछे से घुसी ट्रक, चालक खलासी गंभीर

-जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती, कुमारगंज ओवरब्रिज पर हुआ हादसा

मिल्कीपुर अयोध्या (एजेंसी)। कुमारगंज ओवर ब्रिज पर ट्रेलर चालक रहा दूसरा तेज रफ्तार ट्रेलर ट्रक जा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पुलिसकर्मियों ने दोनों घायलों को इलाज जहां इलाज चल रहा है।प्राप्त ओर से मिल्कीपुर की ओर जा रहे जैसे ही ओवर ब्रिज कुमारगंज के दिया जिससे पीछे से आ रहे ट्रेलर 3269 जोरदार टक्कर से पीछे वाली राम अवध उम्र करीब 23 वर्ष व निवासी हलियापुर थाना हलियापुर गए । अयोध्या के एनएच ,330 ए पर कस्बा ने अचानक ब्रेक मार दी। पीछे से आ घुसा जिससे चालक और खलासी पर पहुंचे एनएचआई एवं स्थानीय के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया जानकारी के अनुसार हलियापुर की ट्रेलर ट्रक संख्या यूपी.51 ए.टी. 9700 ऊपर पहुंची तो ड्राइवर ने ब्रेक लगा ट्रक वहान संख्या यूपी. 42 बी.टी. गाड़ी के ड्राइवर लवकुश कुमार पुत्र क्लींनर आकाश पुत्र राज करन मौर्य सुल्तानपुर उम्र करीब 21 वर्ष फस

सूचना पर थाना स्थानीय पुलिस और एनएचआई के कर्मचारियों द्वारा किसी तरीके से चालक व खलासी को निकाल कर नेशनल हाईवे एंबुलेंस की सहायता से उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया वहीं थाना कुमारगंज पुलिस के चौकी प्रभारी अरविंद पटेल हाईवे से दोनों वाहनों को हटाया जिसके बाद हवा आगमन शुरू हो सका। प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह का कहना है कि अभी कोई तैयारी नहीं मिली है तेरी मिलने के बाद कार्रवाईकी जाएगी। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो पुलिस और एनएचआई के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी की केबिन से निकला दोनों खून से लथपथ थे। पुलिस ने एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया है। जहां इलाज चल रहा है फिलहाल हालत गंभीर बनी हुई है।

फोटो–8. कुमागंज कस्में में संचालित अली हॉस्पिटल को सीज कराता प्रशासन

कुमारगंज में अली हास्पिटल को प्रशासन ने किया सील

-सीएमओ के निर्देश पर हुई कार्रवाई

-स्वास्थ्य एवं तहसील प्रशासन को अस्पताल संचालक नहीं दिखा सका कोई कागजात

मिल्कीपुर–अयोध्या (एजेंसी)। कुमारगंज नगर पंचायत क्षेत्र स्थित कस्बा कुमारगंज में अली हॉस्पिटल के नाम से संचालित प्राइवेट अस्पताल में बिना योग्य सर्जन के प्रसव पीड़ित महिला का ऑपरेशन कर प्रसव करने के दौरान नवजात शिशु की हुई मौत के मामले ने आखिरकार तूल पकड़ लिया है। मामले को समाचार पत्रों द्वारा प्रमुखता से उजागर किए जाने के बाद आखिरकार स्वास्थ्य विभाग एवं तहसील प्रशासन नींद से जाग गया और सोमवार को अस्पताल में भर्ती तीन मरीजों को निकटतम अस्पतालों में शिफ्ट करने के उपरांत सील कर दिया गया है। बताते चने की तिंदौली निवासी सोनू दुबे की पत्नी सुधा दुबे को परसों पीड़ा होने पर परिजनों ने कुमारगंज बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में पहुंचाया था। जहां अस्पताल संचालक कथित डॉक्टर भारत कुमार ने मात्र 7 माह की गर्भवती महिला का तत्काल ऑपरेशन कर दिए जाने को कहा नहीं तो जच्चा बच्चा दोनों की जान खतरा बता दिया जिससे घबराये परिजनों ने कथिक डॉक्टर को ऑपरेशन किए जाने की इजाजत दे दी किंतु ऑपरेशन के बाद नवजात शिशु की मौत हो गई और महिला की हालत गंभीर हो गई। इसके बाद कथित डॉक्टर एवं अस्पताल संचालक ने महिला के पति सोनू दुबे से 40 हजार रुपए की मांग कर ली थी। इसके बाद परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया उन्होंने आरोप लगाया कि महिला का ऑपरेशन आयुष चिकित्सक ने किया है जो कि ऑपरेशन के योग ही नहीं है लापरवाही पूर्वक किए गए ऑपरेशन से ही नवजात शिशु की मौत हुई और महिला की हालत बिगड़ गई है। मामले को समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके बाद सीएमओ डॉ संजय जैन हरकत में आए और उन्होंने पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खांडसा के अधीक्षक डॉ आकाश मोहन को मौके पर भेजा। अधीक्षक ने अस्पताल के संचालक से रजिस्ट्रेशन सहित अन्य आवश्यक कागजात मांगे किंतु वह कोई भी प्रपत्र उन्हें नहीं दिखा सका इसके बाद तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने तत्काल अस्पताल में भर्ती तीन मरीजों को एंबुलेंस बुलाकर उनके समुचित उपचार हेतु दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट कराया। इसके उपरांत तहसीलदार एवं सीएचसी प्रभारी खंडासा की मौजूदगी में अली हॉस्पिटल को सील किया गया। कार्यवाही में मौजूद सीएससी अधीक्षक ने कथित डॉक्टर को अस्पताल से संबंधित समस्त कागजात एवं समस्त शैक्षणिक अभिलेख सीएमओ के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए। तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह ने बताया समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर का संज्ञान लेकर अस्पताल सील कर दिया गया है। आवश्यक निर्देश भी अस्पताल संचालक को दे दिए गए हैं। कार्यवाही करने पहुंचे अधीक्षक डॉक्टर आकाश मोहन ने बताया कि बीएएमएस डिग्री धारक को अंग्रेजी दवा खाना खोलना सहित अस्पताल संचालन हेतु कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृ‍ष्टया अस्पताल पूरी तरह से अवैध है।

सिपाही ने महिला आरक्षी के साथ की छेड़खानी, मुकदमा दर्ज

अयोध्या (एजेंसी)। महिला सिपाही ने अपनी पुरूष सहकर्मी पर छेड़खानी करने, शादी के लिए दबाव बनाने के साथ ही मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिला सिपाही की तहरीर पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

महिला सिपाही की तहरीर के अनुसार नगर कोतवाली में तैनात सिपाही अंकित कुमार यादव से सरकारी काम के कारण उससे मुलाकात होती रहती थी। उसने बताया कि अंकित ने बार–बार उस पर शादी का दबाव बनाता रहता था। मना करने पर फोन करके परेशान करता रहता था। 23 मई को ड्यूटी पर जाते समय अपनी मोटर साइकिल पर डरा–धमका कर बैठा लिया। तथा शादी के लिए दबाव बनाने लगा। साकेत महाविद्यालय के पास उसका फोन तोड़ दिया तथा मोटर साइकिल चढ़ा दी और मारा पीटा। उसी दिन आरजेबी परिसर में ड्यूटी स्थल पहुंच कर धमकाते हुए साथ चलने को कहा। साथ जाने पर उदया स्कूल के पास, तथा गुप्तार घाट पर मारपीट किया। इसके बाद महिला सिपाही छुट्टी पर अपने घर चली गई। वापस आने पर पुनः उसका पीछा करने लगा। 18 जून को फोन पर अंकित ने महिला सिपाही से गाली गलौज की। 21 जून को गुलाबबाड़ी के पास पुनः शादी के लिए दबाव बनाते हुए अभद्रता व छेड़खानी किया। जिससे भीड़ इकठ्ठा हो गई। और वह वहां से बच कर निकल गई। मामले में सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि महिला आरक्षी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

पहली ही बारिश में टपकने लगी राम मंदिर की छत

अयोध्या (एजेंसी)। रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि पहली बरसात में ही राम मंदिर के भूतल पर पानी टपकने लग गया। उन्होंने सवाल खड़ा किया की जिस मंदिर को बनाने में देश के टॉप इंजीनियर्स जुटे हैं। वहां छत से बारिश का पानी टपकना बड़ी बात है। आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि यह मामला आश्चर्यचकित करने वाला है। जहां देश की सर्वोच्च संस्था एलएनटी से जुड़े टॉप के इंजीनियर कार्य कर रहे हैं, लेकिन चूक हो हो गई, जिस कारण राम मंदिर के भूतल की छत से पानी टपकने लगा। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई है, लेकिन यह किसी को ज्ञान नहीं रहा कि जब पानी बरसेगा तो उसके छत से पानी टपकेगा। कहा, इसके पहले भी बरसात होती थी, लेकिन कभी भी इस तरह के हालात नहीं हुए। जैसा इस बार हुए हैं। ऐसे लोग मंदिर में कार्य कर रहे हैं जो विश्व प्रसिद्ध मंदिर का निर्माण कर रहे हैं। इंजीनियर लोग किस प्रकार की व्यवस्था किए हैं जिस कारण पानी भर रहा है। यह बहुत ही निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि इस बार की बरसात में गर्भगृह के ठीक सामने पुजारी के स्थान पर और वीवीआईपी दर्शन करने वाले स्थान पर पानी टपक रहा था। बता दें कि। अभी दो दिन पहले ट्रस्ट ने गर्भगृह से पानी निकासी न हो पाने का मुद्दा उठाते हुए निर्माण सामिति व कार्यदायी संस्थाओं को कठघडे में खड़ा किया था।

राजूदास की सुरक्षा बहाल करे सरकार : हिन्दू महासभा

अयोध्या (एजेंसी)। हनुमान गढ़ी के महन्त राजू दास की सुरक्षा वापस लिये जाने के मामले में अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश ने केन्द्र सरकार के गृहमंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्वनाथ को पत्र भेजकर उनकी सुरक्षा बहाल किये जाने की मांग की है। पत्र भेजने से पहले आज हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने महन्त राजूदास के साथ टेलीफोनिक वार्ता की। इसके बाद गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को भेजे गये पत्र में साफ कहा गया है कि प्रदेश में एक संत की सरकार में संतों के अपमान किया जा रहा है, जिसे हिन्दू महासभा कतई बर्दाश्त नहीं करेगी, इसलिये तत्काल प्रभाव से महन्त राजूदास की सुरक्षा वापस की जाये अन्यथा हिन्दू महासभा सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने के लिये बाध्य होगी। श्री त्रिवेदी ने कहा कि समीक्षा बैठक में महन्त राजूदास और जिलाधिकारी के बीच कहासुनी के बाद सुरक्षा वापस लिये जाने का मामला सामने आने के बाद भले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ महन्त राजूदास की मुलाकात के बाद भाजपा नेतृत्व भले ही डैमेज कंट्रोल की बात कर रहा है, लेकिन सुरक्षा वापसी से संत समाज गुस्से में है, यदि प्रदेश सरकार संत समाज का सम्मान करना चाहती है तो महन्त राजूदास की सुरक्षा को तत्काल वापस दे। श्री त्रिवेदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या में मिली हार के बाद भाजपा की समीक्षा बैठक में आखिरकार जिलाधिकारी क्या करने गये थे, जिसका स्पष्टीकरण प्रदेश सरकार को सामने रखना चाहिये। श्री त्रिवेदी ने बताया कि हिन्दू महासभा राज्य के सभी साधू–संतों के मान सम्मान को बनाये रखने के लिये सदैव तत्पर रहेगी और भविष्य में उनके मान–सम्मान और सुरक्षा के साथ किसी भी स्तर पर शासन प्रशासन के अधिकारियों द्वारा खिलवाड़ किया गया।

संचारी रोग अभियान के तहत कराये जा रहे कार्यो में लाये तेजी-सीडीओ

लक्षणयुक्तव्यक्तियों की सूची बनाकर ई-कवच पोर्टल पर अपलोड करना करे सुनिश्चित

सोनभद्र(एजेंसी)। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार की सायं को संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 जुलाई से 31 जुलाई 2024 एवं दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई 2024 की बैठक आहूत की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधि‍कारी ने संचारी रोग अभियान के तहत कराये जा रहे कार्यो में लापरवाही बरतने पर सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये हैं। आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देशित करते हुये कहा कि बुखार के रोगियों, आइ0एल0आइ0 (इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस) रोगियों, क्षय रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया एवं काला अजार रोगों के लक्षणयुक्त व्यक्तियों, कुपोषित बच्चों आदि लक्षणयुक्त व्यक्तियों का नाम एवं मोबाइल नम्बर सहित सम्पूर्ण विवरण की सूची बनाकर ई–कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह में संपन्न संचारी अभियान के मानीटरिंग डाटा की समीक्षा करते हुए ब्क्व् सर ने बाल विकास विभाग एवं पशु चिकित्सा विभाग को चेतावनी देते हुए जुलाई माह के संचारी अभियान में बेहतर प्रदर्शन करने हेतु निर्देशित किया। चिकित्सा शिक्षा विभाग से किसी ने प्रतिभाग नहीं किया, खाद्य सुरक्षा एवं पशु चिकित्सा विभाग के जनपदीय अधिकारी अनुपस्थित रहे जिनका स्पष्टीकरण मांगने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में आगामी जुलाई माह में आयोजित होने वाले संचारी अभियान को कुशलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त विभाग को निर्देशित किया गया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा समस्त चिकित्सको एवं अधिकारियों को ध‍न्यवाद ज्ञापित किया गया। कहा कि क्षेत्रवार ऐसे मकानों की सूची जहाँ घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो, निर्धारित प्रपत्र पर फ्रंटलाइन वर्कर्स के द्वारा तैयार कर उपलब्ध कराई जाएगी। माह जुलाई में एक्यूट डायरियल डिजीजेज (दस्त रोग) के संचरण की संभावना के दृ‍ष्टिगत रखते हुए फ्रंटलाइन वर्कर्स अपने साथ ओ0आर0एस0 पैकेट तथा क्लोरीन की गोलियां भी रखेंगे, ताकि कोई लक्षणयुक्त व्यक्ति खोजे जाने पर तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इसी के साथ फूड सेफ्टी एवं ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के द्वारा खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा अधोमानक खाद्य पदार्थों की बिक्री को विशेषकर खुले हुए खाद्य पदार्थ जैसे बेकार सड़े हुए फल–सब्जी इत्यादि एवं असुरक्षित तरीके से तैयार किए जा रहे ताजा फलों, गन्ने के जूस इत्यादि पर नियंत्रण करने का भी कार्य संपादित किया जाएगा। उन्होने कहा कि आशा द्वारा पूर्व में ई–कवच पर अंकित विवरण का उपयोग कर सकती हैं, अथवा आवश्यकतानुसार सूचना अद्यतन कर सकती हैं अथवा नए सिरे से पूर्ण विवरण भर कर आभा सृजित किया जाएगा। इस तरह से प्रत्येक व्यक्ति‍ परिवार को आभा सृजन से अनिवार्य रूप से संतृप्त किया जाएगा।

महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस समारोह आयोजित हुई गोष्ठी

सोनभद्र(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर आदिवासी समाज की गौरव सौर्य एवं वीरता की प्रतीक महारानी दुर्गावती का बलिदान दिवस समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया महारानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर 1524 को कालिंजर के राजा कीर्ति सिंह के घर हुआ था महारानी दुर्गावती का विवाह गोंड वंश के राजा संग्राम शाह के पुत्र दलपत शाह के साथ हुआ था। कार्यक्रम में ओबरा विधानसभा के प्रत्याशी सुनील सिंह गोंड ने कहा महारानी दुर्गावती ने अपने प्रजा की खुशहाली के लिए मुगलों से लड़ाई लड़ी गोंडवाना साम्राज्य में जब महारानी दुर्गावती का शासन था अपने शासनकाल में अपने राज्य की आर्थिक व्यवस्था को इतना सुदृढ़ बना दिया था की कर के रूप में सोने का सिक्का एवं हाथी से कर चुकाया करते थे जिससे प्रजा काफी खुशहाल थी जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने कहा की महारानी दुर्गावती एक ऐसी वीर महिला थी जिन्होंने अपने साम्राज्य एवं जनता की सुरक्षा की दृष्टिकोण से जीवन भर लड़ाई लड़ी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजय यादव अनिल यादव त्रिपुरारी गोंड अशोक पटेल सनी पटेल रामप्यारे सिंह पटेल बबलू धनगर विनीत पांडे इमरान अहमद दशरथ यादव परशुराम यादव दीपक यादव प्रमोद यादव अवनीश चौबे पप्पू खान दिन अग्रवाल निधि पांडे मंदाकिनी पांडे प्रमोद यादव आदि प्रमुख लोग उपस्थित थे।

बच्चों के समग्र विकास में सहायक है समर कैम्प

ऋचा सिंह

श्री रामचरित मानस के बाल काण्ड में उल्लेख है कि गुरु गृह गए पढ़न रघुराई अल्पकाल विद्या सब पाई। अर्थात् गुरू के सानिध्य में व्यक्तित्व निर्माण। गुरुकुल परम्परा में बच्चों को भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराते हुए उनके अंदर सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना जागृत की जाती है । भारतीय ज्ञान परम्परा में शिविर आयोजनो का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है । ऐसे शैक्षिक संस्थान जो भारतीय संस्कृती के पोषक और संवाहक रहे हैं वो बच्चों के लिए खेल, कला , कौशल शिविरों का आयोजना करते आए हैं। जहां बच्चे प्रकृति के समीप रहकर अपने मौलिक गुणों को परिमार्जित करते हुए आधुनिक ज्ञान के साथ वैदिक ज्ञान और संस्कार के साथ सामूहिक जीवन जीने का अभ्यास करते है । वर्तमान में विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के साथ जीवन कौशल विकास और व्यवहारिक ज्ञान बच्चों के लिए नितांत आवश्यक है ऐसे में शैक्षिक शिविर महत्त्वपूर्ण भुमिका निभा सकते हैं। वर्तमान में लगभग सभी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में शैक्षिक शिविर की ही भांति ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं । जो समर कैंप के नाम से जाने जा रहे हैं । समर कैंप अवकाश के दिनों में कुछ निर्धारित अवधि के लिए एक कार्यक्रम के रुप में चलाया जाता है । इस दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियां बच्चों के लिए कराई जाती हैं जो पूर्ण रुप से आनंदमय वातावरण में बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देकर उनके समग्र विकास के लिए आयोजित की जाती हैं। जिससे बच्चे प्रकृति प्रेम, स्वस्थ जीवन शैली, व्यवस्थित दिनचर्या, सड़क पर चलने का नियम , जल ही जीवन है और स्वच्छता जैसे व्यवहारिक जीवन शैली को समर कैम्प में सीखने का अवसर मिलता है । वर्तमान में ग्रामीण,शहरी हर क्षेत्र में समर कैम्प स्कूली शिक्षा में अपना स्थान बनाते नजर आरहे हैं । सभी शिक्षा बोर्ड इसे स्वीकार करते हुऐ इसका आयोजन करते दिख रहे हैं। गैर शैक्षिक संस्थान भी ग्रीष्मावकाश में ऐसे कैम्पों का आयोजना कर रहे हैं जहां एक ही स्थान पर निश्चित समय के लिए बड़े और बच्चों दोनो के लिए मनोरंजन युक्त आयोजन किए जारहे हैं। इन सभी का उद्देश्य अवकाश के दिनों को आनंदमयी और खुशनुमा बनाते हुए कुछ सीखने और नया करने का अवसर देना है । जिससे बच्चों में मुख्य रुप से कौशल विकास हो सके और बड़े भी इस समय का आनंद उठा सकें। धीरे –धीरे समर कैंप विद्यालयों का हिस्सा बनते जा रहे है जिसका उद्देश्य बच्चों को अनुकूल वातावरण प्रदान कर उनकी प्रतिभाओं का विकास करना है । बच्चों और अभिभावकों से शिक्षा से संबंधित बिंदुओं ,नवाचारों एवं आदेशों के क्रम में संचालित क्रियाकलापों पर अक्सर चर्चा होती रहती है। इसी क्रम में उन बच्चों से भी चर्चा का अवसर मिला जिनके स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों के बाद समर कैम्प संचालित हो रहे थे। जहां स्कूल इसे उत्साह के साथ संचालित करने में लगे थे वहीं बच्चो से संवाद में पताचला की अधिकांश बच्चे विद्यालय बंद होने के बाद इस समर कैम्प को बोझिल मान कर अतिरिक्त दबाव जैसा महसूस कर रहे। इस विषय को लेकर अलग अलग क्षेत्रो के बच्चों से चर्चा करने पर बच्चो के यही विचार प्राप्त हुए कि इस समर कैम्प का आयोजन स्कूल दिवसों में ही होना चहिए जिससे हम अपने समर वैकेशन के अधिक दिवसों को अपने स्वतंत्र रूचि के अनुसार अपने परिवार, रिश्तेदार के साथ अन्य कार्यों में लगा सकें। निश्चित रुप से एक लंबे सत्र के पढ़ाई में बच्चो के लिए उनकी गर्मी की छुट्टियां बहुत प्रिय होती हैं जिसका बच्चो को बेसब्री से इंतजार रहता है। 6 से 14 वर्ष के बच्चो के सीखने और विकास के क्रम में स्कूलों के शैक्षिक सत्रों में गर्मी की छुट्टियों का बच्चों के समाजिक एवं मानसिक विकास में महत्त्वपूर्ण स्थान है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा एक बहुत सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल हुई है जिसमें ग्रीष्मावकाश के बाद विद्यालय खुलने पर प्रथम सप्ताह में समर कैम्प का आयोजन करना है । ग्रीष्म अवकाश प्रारंभ होने के अंतिम सप्ताह में तमाम स्कूलों में चलने वाले समर कैम्प पर विचार विमर्श करते हुए, विद्यालय में नामांकन के सापेक्ष उपस्थिति आदि बिंदुओं पर चर्चा में एक विमर्श शिक्षक साथियों की ओर से यह भी आने लगा था कि यदि यह समर कैंप विद्यालय खुलने पर आयोजित हो तो बच्चों को विद्यालय खुलने पर उत्साह के साथ जोड़ने एवं नियमित करने के साथ उनके ग्रीष्म अवकाश के दिनों में बिताए गए व्यक्तिगत स्वतंत्र अनुभवों को बच्चों की अभिव्यक्ति एवं स्वतंत्र चिंतन के साथ जोड़ने में बहुत कारगर सिद्ध होगा। जिन विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा था उन बच्चों से चर्चा होने पर अधिकांश बच्चों ने बताया कि उनको किसी रिश्तेदार के घर घूमने और अपने पसंद के कार्य करने में ज्यादा रुचि है । एक रूटीन में बंध कर समर कैंप की बच्चों ने खुलकर मनाही की । बच्चों से ग्रीष्म अवकाश के दौरान मिलने वाले होमवर्क और असाइनमेंट पर भी चर्चा होती रहती है अधिकांश छोटे बच्चों ने बताया कि वो इसे बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। वह इस दौरान अपनी व्यक्तिगत रूचि के क्लास ज्वाइन करना पसंद करते हैं या अपने दादी, नानी, के साथ समय व्यतीत करते हुऐ रिश्तेदारों के घर घूमने जाने में ज्यादा रुचि रखने वाले दिखाई देते हैं। ग्रीष्म अवकाश का एक वह दौर भी था जब समर कैंप और ग्रीष्मकालीन प्रोजेक्ट इतने चलन में नहीं थे । धीरे–धीरे लगभग सभी विद्यालय इससे जुड़ गए हैं लेकिन बच्चों का मन इससे दूर भागता दिखाई दे रहा है। ऐसे में बेसिक शिक्षा विभाग की यह सराहनीय पहल है जिसमें परिषदीय विद्यालय खुलते ही समर कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसमें शिक्षक बच्चों के विद्यालय आने के तीन दिन पूर्व से 25 जून से ही विद्यालय में उपस्थित होकर इसकी तैयारी एवं रूपरेखा बनाएंगे कि इस समर कैम्प को वह अपने विद्यालय में बच्चों के लिए और बेहतर, उपयोगी कैसे बना सकते हैं। इससे उपस्थिति बढ़ाने ,बच्चों को उत्साह से विद्यालय के प्रथम दिवस पर ही जोड़ने ,छुट्टियों में बीते हुए अवकाश के दिनों को रचनात्मक ढंग से विद्यालय के कार्यों से जोड़ने में बहुत मदत मिलेगी । इसमें महत्वपूर्ण बात यह भी है कि विद्यालय स्तर पर शिक्षक इसे कितने बेहतर तरीके से क्रियान्वित कर सकते हैं । इसमें अलग–अलग कक्षाओं के लिए प्लान बनाकर बच्चों की उनके रुचियों व आयु को ध्यान में रखते हुए अवकाश के बीते हुए दिनों के अनुभवों को कैसे शिक्षक बच्चों के भाव को अभिव्यक्त करने के अवसर के साथ रचनात्मक ढंग देने में सक्षम हो पाते हैं। शिक्षक द्वारा संयोजित कार्य योजना बनाना इसमें महत्वपूर्ण होगा । जिससे यह मात्र औपचारिकता या स्वागत उत्सव बनकर न रह जाए । वस्तुतः इसमें नेतृत्व क्षमता विकास , रचनात्मकता का विकास , समूहकार्य, पर्यावरण की समझ , प्राकृति से भावानात्मक जुड़ाव ,समस्या समाधान, व्यक्तिगत स्वच्छता का महत्त्व , मूल्य शिक्षा, अवकाश के दिनों का रचनात्मक ढंग से प्रयोग आदि सामिल हैं । इसमें बच्चों को स्वागत के साथ उत्सव की अनुभूति कराकर बच्चों के अभिभावकों को जोड़ना इस सत्र के ग्रीष्मावकाश के बाद उनके पाल्यों की पढ़ाई – लिखाई को सकारात्मक दिशा प्रदान कर सकता है । बच्चों के अवकाश के दिनों को समर कैंप में कैसे रचनात्मक ढंग से जोड़कर स्थान दिया जाए यह महत्वपूर्ण बिंदु होना चाहिए । बच्चों से चर्चा कर उनकी रुचियों को भी स्थान देना महत्वपूर्ण होगा । स्वतंत्र ,सहभागी ,भय मुक्त, खुशनुमा, उत्साही वातावरण निर्मित कर बच्चों को सिखाने हेतु पुनः विद्यालय से जोड़कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में यह समर कैम्प महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बच्चों द्वारा अवकाश के दिनों में सीखे हुए कौशलों को स्वयं सीखने का सेशन भी इसको उत्साह वर्धक बना सकता है । इस समय कैंप के माध्यम से छोटे बच्चों को यह अनुभव कदापि न दें कि बच्चे सोचे कि समर कैम्प हो गया चलो अब पढ़ाई शुरू करते हैं बल्कि इस समर कैंप के माध्यम से ही बच्चों के स्किल,रूचि, उनका आकलन, उनकी समझ एवं अवलोकन के बिंदु समाहित करने होंगे जिससे बच्चों को पूरे सत्र क्रियाकलापों से जोड़ कर कुछ नया सीखने के प्रति उत्साही बनाया रखा जा सके। छोटे बच्चों के लिए इस समर कैम्प को विद्यालय घंटे में ही नियोजित कर व्यवस्थित कर रखा जाए कि बच्चों के अवकाश के दिनों में भी सेंध ना लगे साथ ही बच्चे खुलकर इस समर कैम्प में इंजॉय कर सके और अपने छुपे हुए हुनर को पहचाना सकें । साथ ही उनके लिए आवश्यक बिंदु जिससे वह अवगत नहीं है उन बिंदुओं को जोड़ते हुए इस समर कैम्प को बच्चों के लिए ऐसा उपयोगी बनाया जाए जो सत्र भर एक शैक्षिक आधार बनाए रखे ।जुलाई से बच्चे और अभिभावक इस तरह से तैयार हो पढ़ाई के लिए कि यह सत्र उनके लिए उत्साह और ऊर्जा वाला हो। छोटे बच्चे (6 से 14) जब ग्रीष्मावकाश के पश्चात पुनः विद्यालय आते हैं और प्रथम दिवस से ही उनसे विषय संबंधी बिंदुओं पर चर्चा होने लगती है, पठन–पाठन टिपिकल तौर से पुस्तकों और कापियों के साथ शुरू हो जाता है तब बच्चे, शिक्षक और विद्यालयी वातावरण में कहीं ना कहीं एक गैप बन जाता है। निश्चित रूप से यह समर कैम्प बच्चों को यह अवसर देगा कि अपने अवकाश के दिनों में बिताए गए समय में उन्होंने क्या किया, क्या सीखा, उनके क्या अनुभव थे, उन्होने किन किन बिंदुओं पर अपने स्कूल को मिस किया (कमी महसूस की) इन भावों को सहज रूप से अपने साथियों और शिक्षक के साथ सांझा कर पाएंगे । बच्चे पुनः अपनी कक्षा में साथी बच्चों और शिक्षकों के साथ अपने ग्रीष्मावकाश केअनुभवों को जीवंत कर पाएंगे जो भावनात्मक रूप एवं आत्मीयता के साथ उन्हे विद्यालय से जोड़ने में सक्षम होगा । निश्चित रूप से बच्चों को विद्यालय में ऊर्जा ,उत्साह और आत्मीयलगाव के साथ जोड़ने के लिए यह समर कैम्प बहुत ही कारगर सिद्ध होगा।

ऋचा सिंह
बेसिक शिक्षा विभाग

सम्पादकीय

गर्मी के बढ़ते प्रकोप अधिकांश देश त्रस्त

जलवायु बदलाव के इस दौर में बढ़ती गर्मी के प्रकोप से दुनिया के अधिकांश देश त्रस्त हैं, पर अधिक विकट स्थिति गरीब देशों की है। इसी तरह यदि आंतरिक स्तर पर देखें तो विभिन्न देशों, शहरों और गांवों में गर्मी का सबसे अधिक प्रकोप सबसे निर्धन लोगों को झेलना पड़ता है।

बढ़ती गर्मी के द्योतक के रूप में प्रायरू तापमान के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं और ये हमें काफी निश्चित तौर पर बताते हैं कि बहुत से स्थानों पर हाल के वर्षो और दशकों में गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। तिस पर जहां हरियाली कम हुई है, सीमेंट–कंक्रीट का जाल बढ़ा है, वहां बढ़ती गर्मी का असर और भी घातक रूप में नजर आ रहा है। इस बारे में अनेक अध्ययन भी उपलब्ध हैं।

दूसरी ओर, गर्मी के बढ़ते प्रकोप का एक ऐसा पक्ष भी है जो अति महत्तपूर्ण होते हुए भी अपेक्षाकृत उपेक्षित है।

यह है आर्थिक–सामाजिक विषमता का पक्ष। जिस समाज, नगर या गांव में अधिक विषमता और अधिक असमानता होगी, वहां ऐसे साधनहीन परिवारों का प्रतिशत भी अधिक होगा जो जलवायु बदलाव के दौर में बढ़ती गर्मी के प्रकोप और अन्य तरह के प्रतिकूल मौसम के दुष्परिणामों को सहने में कम सक्षम हैं। जहां गर्मी के बढ़ते प्रकोप और लू के थपेड़ों के बीच साधन–संपन्न व्यक्ति अपने बचाव और आराम के विभिन्न उपाय करने में समर्थ है, वहां निर्धन परिवारों के लिए यह संभव नहीं है और अनेक दिहाड़ी मजदूर परिवार के लिए रोटी और बुनियादी जरूरतों की व्यवस्था के लिए घोर गर्मी में भी मजदूरी ढूंढने के लिए मजबूर हैं। यह स्थिति गांवों और शहरों, दोनों जगह देखी जा सकती है। पुरुष ही नहीं, अनेक स्थानों पर तो महिला मजदूर भी गर्मी का बहुत प्रकोप झेल रही हैं।

जहां किसानों और स्व–रोजगार वालों के लिए कम से कम यह संभव है कि वे अपने काम के घंटों को गर्मी से बचाव की दृष्टि से बदल लें, पर अनेक मजदूरों के लिए यह निर्णय भी अपने स्तर पर लेना संभव नहीं है। अतरू यह बहुत जरूरी है कि विशेषकर खुले क्षेत्र में और अधिक गर्मी की स्थिति में कार्य करने वाले मजदूरों की रक्षा के लिए विशेष कदम सरकार उठाए। देश में गर्मी के अधिक प्रकोप के रूप में चर्चित क्षेत्रों में बुदेलखंड का नाम विशेष तौर पर लिया जाता है। यहां तापमान बहुत ज्यादा रहा है और कई दिनों तक लगातार 42 सेंटीग्रेड से 49 सेंटीग्रेड के बीच रहा। इसके अतिरिक्त, नदियों और अन्य जल–स्रेतों के सिकुड़ने या लुप्त होने, अंधाधुंध बालू और पत्थर के खनन, वृक्षों की कटाई, सिमटते वनों के कारण भी इस क्षेत्र में गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। घर–घर में नल तो लग गए हैं पर इसके बावजूद जल–संकट तो बना हुआ है। इस क्षेत्र में गर्मी के विकट प्रकोप के दिनों में जब हाल ही में यह लेखक दूर–दूर के गांवों में गया तो यही सच्चाई बार–बार उभर कर सामने आई कि जहां सामाजिक विषमता और अन्याय है, दबंगी और सामंतशाही का असर अधिक है, वहां एक ओर तो सामान्य समय में ही निर्धन और जनसाधारण अधिक समस्याओं से त्रस्त होते हैं और गर्मी के बढ़ते प्रकोप और प्रतिकूल मौसम के दौर में उनकी समस्याएं और भी बढ़ जाती हैं। जब सुबह 9–10 से ही गर्मी बहुत बढ़ने लगती थी तो खुले में निर्माण कार्य या कृषि कार्य दिन–भर करने की हिम्मत कोई कैसे जुटा सकता है? तिस पर यदि दोपहर में छाया में विश्राम और ठंडे पानी की सुविधा भी सही ढंग से उपलब्ध न हो तो स्थिति और भी विकट हो जाती है। फिर भी मजबूरी में, पेट भरने के लिए बहुत विकट स्थितियों में भी मजदूरी जारी रहती है। प्रायरू शहरों के दिहाड़ी मजदूरों को नाकों या चौकों पर बहुत समय तक गर्मी में मजदूरी का इंतजार करना पड़ता है, तभी उनको दिहाड़ी के कार्य पर लिया जाता है। अनेक मजदूर आसपास के गांवों से भी शहरों में दिहाड़ी की मजदूरी के लिए जाते हैं, फिर चाहे गर्मी का प्रकोप कितना भी अधिक हो। ऐसा ही एक मात्र 18 वर्ष का बहुत सीधा–सादा दलित भूमिहीन युवक रत्नेश जब जून के प्रथम सप्ताह में अपने गांव से बांदा नगर की ओर मजदूरी के लिए जा रहा था, तो उसे गांव के दबंगों ने इस आधार पर रोका–टोका और गाली–गलौज की कि उसे उनके यहां मजदूरी करने के लिए मजबूरन जाना पड़ेगा। जब रत्नेश ने कहा कि वह उनके यहां नहीं जा सकता है तो पत्थरों से हमला कर उसे बेहद निर्दयता से मार दिया गया। इस तरह की बेहद दर्दनाक घटनाओं से पता चलता है कि आज भी सबसे निर्धन परिवारों पर सामंतशाही कितना जोर–जुल्म करती है। गर्मी का प्रकोप बढ़ जाने पर जब मजदूर मिलने में कठिनाई होने लगती है जो मजदूर प्राप्त करने के लिए इस तरह की जोर–जबरदस्ती और दबाव भी बढ़ सकते हैं।जलवायु बदलाव और बढ़ते ताप पर दुनिया भर में विमर्श तेज हो रहा है। पर इस विमर्श में न्याय और विषमता के महत्त्वपूर्ण मुद्दों को समुचित स्थान नहीं मिल रहा है। अब समय आ गया है कि इन मुद्दों में समता और न्याय का समुचित समावेश हो। विशेषकर गर्मी के प्रकोप के संदर्भ में देखें तो स्पष्ट नीति बननी चाहिए कि जो मजदूर और मेहनतकश गर्मी के प्रकोप से सबसे अधिक संकटग्रस्त हैं और उनकी विशेष सहायता के लिए असरदार कदम उठाए जाएं और उन्हें कार्यस्थल पर गर्मी से बचाव की जरूरी सुविधाएं उपलब हों। केवल निर्देश जारी करना भर पर्याप्त नहीं है। कई बार सरकारी निर्देश जारी हो जाते हैं पर जमीनी स्तर पर उनका असर नजर नहीं आता। यह बहुत से लोगों के जीवन का सवाल है और इसलिए स बारे में तो असरदार कार्यवाही होनी ही चाहिए।शहरी संदर्भ में देखें तो बेघर लोगों की सहायता के लिए अधिक प्रयास जरूरी हैं।

आज भी डराती है वो काली रात

सुरेश हिंदुस्तानी

वैसे देखा जाए तो कांग्रेस शासन का यही चरित्र रहा है कि उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को किसी भी प्रकार से शांत किया जाए। आज भी कांग्रेस ठीक इसी पद्धति से काम करती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की बलि दी जाती रही है।

सत्ता की ताकत का दुरुपयोग कैसे किया जाता है, इसका उदाहरण कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 में देश पर तानाशाही पूर्वक लगाया गया आपातकाल है। जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार ही समाप्त कर दिया था। इंदिरा शासन द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल में सरकार के विरोध में आवाज उठाने को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया था। यहां तक कि सरकार ने विपक्ष की राजनीति करने वालों के साथ ही उन समाजसेवियों और राष्ट्रीय विचार के प्रति समर्पित उन संस्थाओं के व्यक्तियों को जेल में ठूंस दिया था, जो सरकार की कमियों के विरोध में लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे थे। सरकार के इस कदम को पूरी तरह से अलोकतांत्रिक कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इंदिरा गांधी की सरकार ने अपनी सरकार के खिलाफ उठने वाली हर उस आवाज को दबाने का प्रयास किया, जो लोकतांत्रिक रूप से भी सही थी। वैसे देखा जाए तो कांग्रेस शासन का यही चरित्र रहा है कि उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को किसी भी प्रकार से शांत किया जाए। आज भी कांग्रेस ठीक इसी पद्धति से काम करती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की बलि दी जाती रही है।

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी ने कई बार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर राष्ट्र विरोधी ताकतों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन देने काम किया है, लेकिन जो कांग्रेस आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत कर रही है, उसने ही 25 और 26 जून 1975 की रात को आपातकाल लगाने के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पूरी तरह गला घोंट दिया था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किस प्रकार कुठाराघात किया जाता है, इस तथ्य को जानने के लिए कांग्रेस के नेताओं को आपातकाल के काले अध्याय का अध्ययन करना चाहिए। आपातकाल के नाम पर कांग्रेस ने अंग्रेजों से भी भयंकर यातनाएं देते हुए देश भक्तों पर कहर बरपाया। जिसके स्मरण मात्र से दिल में सिरहन दौड़ जाती है। जिन लोगों ने इस काली रात का साक्षात्कार किया, उनके अनुभव सुनने मात्र से ही लगता है कि इन्होंने आपातकाल को किस कदर भोगा होगा।आपातकाल लगाने के पीछे के कारणों पर दृष्टिपात किया जाए तो यही तथ्य सामने आते हैं कि उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पूरी तरह से तानाशाह शासक की भूमिका में दिखाई दीं। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को ठेंगा बताते हुए अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास किया, यह प्रकार से सत्ता का दुरुपयोग ही था। वह निर्णय क्या था? इसकी जड़ में 1971 में हुए लोकसभा चुनाव था, जिसमें उन्होंने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राजनारायण को पराजित किया था, लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनाव परिणाम को चुनौती दी।

12 जून 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी का चुनाव निरस्त कर उन पर छह साल तक चुनाव न लड़ने का प्रतिबंध लगा दिया और उनके मुकाबले हारे और श्रीमती गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राजनारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया था। राजनारायण सिंह की दलील थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, तय सीमा से अधिक पैसा खर्च किया और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया। न्यायालय ने इन आरोपों को सही ठहराया था। इसके बावजूद श्रीमती गांधी ने प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने से इनकार कर दिया और देश में आपातकाल घोषित कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के साथ ही गुजरात में चिमनभाई पटेल के विरुद्ध विपक्षी जनता मोर्चे को भारी विजय मिली। इस दोहरी चोट से इंदिरा गांधी बौखला गईं। इन्दिरा गांधी ने न्यायालय के इस निर्णय को मानने से इनकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने की घोषणा की और 26 जून को आपातकाल लागू करने की घोषणा कर दी गई।आपातकाल के नाम पर केवल उन्हीं लोगों को जेल में जबरदस्ती बंद किया था, जो सरकार के विरोधी थे। देश भर में इंदिरा शासन के विरुद्ध जबरदस्त आंदोलन खड़ा किया। आपातकाल में शासन, प्रशासन ने लोकनायक जयप्रकाश के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन में हिस्सा लेने वाले हर उस व्यक्ति को प्रताड़ना दी, जो लोकतांत्रिक तरीके सरकार के विरोध में आवाज उठा रहे थे। विपक्षी राजनेताओं ने देश में केन्द्र सरकार के विरोध में ऐसा वातावरण बनाया कि इंदिरा गांधी को अपना सिंहासन हिलता हुआ दिखाई दिया। जॉर्ज फर्नांडीज को लोहे की जंजीरों से बांधकर यातनाएं दी गईं। देश के जितने भी बड़े नेता थे, सभी के सभी सलाखों के पीछे डाल दिए गए। एक तरह से जेलें राजनीतिक पाठशाला बन गईं। जिन लोगों ने यह दृश्य देखा, उनका यही कहना था कि ऐसा दृश्य तो अंग्रेजों के शासनकाल में भी नहीं दिखा। कहने का आशय यही है कि इंदिरा गांधी ने देश के लोकतंत्र का पूरी तरह से अपहरण कर लिया। इस दौरान जनता के सभी मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया था। सरकार विरोधी भाषणों और किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया।

आपातकाल के दौरान सत्ताधारी कांग्रेस आम आदमी की आवाज को कुचलने की निरंकुश कोशिश की। इसका आधार वो प्रावधान था जो धारा–352 के तहत सरकार को असीमित अधिकार देती थी। मीसा और डीआईआर के तहत देश में एक लाख से ज्यादा लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। आपातकाल के खिलाफ आंदोलन के नायक जय प्रकाश नारायण की कैद के दौरान किडनी खराब हो गई थी। कर्नाटक की मशहूर अभिनेत्री डॉ. स्नेहलता रेड्डी जेल से बीमार होकर निकलीं, बाद में उनकी मौत हो गई। उस काले दौर में जेल–यातनाओं की दहला देने वाली कहानियां भरी पड़ी है।

लोकसभा स्पीकर पर रार

jकजनीति में मर्यादा का दिन–प्रतिदिन हनन हो रहा है। इस बार 18वीं लोकसभा के स्पीकर अर्थात लोकसभा अध्यक्ष के पद पर चुनाव कराने की चर्चा हो रही है। सामान्य रूप से लोकसभाध्यक्ष का पद सत्तारूढ़ दल के पास रहता है। अब इस सिद्धांत को किनारे रख दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदीमुर्मू ने गत 20 जून को ओड़िशा के कटक से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया। प्रोटेम स्पीकर नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाएंगे। नियमानुसार लोकसभा अथवा विधान सभा का अध्यक्ष दलगत राजनीति से परे होकर कार्य करता है। सभी सांसदों को सदन में अपनी बात करने का अवसर देता है। अपनी पार्टी के निर्देशों को भी मानने के लिए बाध्य नहीं होता। यूपीए की पहली सरकार में बामपंथी नेता सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष बनाए गये थे और कांग्रेस के नेतृत्व वाली मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिका से परमाणु समझौता किया तो वामपंथियों ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। ऐसे हालात में भी सोमनाथ चटर्जी ने अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था।

इस प्रकार लोकसभाध्यक्ष का पद महत्वपूर्ण ही नहीं गरिमा पूर्ण भी होता है। सत्तापक्ष और विपक्ष में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद का बंटवारा भी इसी दृष्टिकोण के तहत किया जाता रहा है। अब यहां भी राजनीतिक स्वार्थ पालथी मारकर बैठ गया है। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पद सत्तारूढ़ दल अपने पास रखना चाहते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस बार विपक्ष काफी मजबूत है। विपक्ष में 235 सांसद हैं लेकिन सत्तारूढ़ दल तिकड़म से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद अपने पास ही रखेंगे। लोकसभा अध्यक्ष का पद भाजपा अपने पास रखेगी। पहले चर्चा थी कि सरकार को समर्थन दे रहे दो बड़े दल–टीडीपी और जद(यू) में से कोई एक अध्यक्ष के पद पर दावेदारी पेश कर सकता है लेकिन चन्द्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की भी मजबूरियां हैं, जिससे वे दबाव की राजनीति नहीं कर सकते। हां, फायदा उठाने की कोशिश कर सकते है। इसी के तहत उपाध्यक्ष का पद चन्द्रबाबू नायडू की तेलुगुदेशम पार्टी (टीडीपी) को मिल सकता है। हालांकि उपाध्यक्ष पद पर विपक्ष का हक है लेकिन मतदान कराकर भी विपक्ष लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद नहीं ले सकता। भाजपा ने लोकसभा में प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति करवाकर यह संदेश दे दिया है कि वह विपक्ष के दबाव में नहीं आने वाली है। लोकसभा में भाजपा और उसके गठबंधन राजग की ताकत कम होने के बावजूद सत्तापक्ष के तेवर में कोई कमी नहीं आई है। सरकार ने ऐलान कर दिया है कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पद सत्तापक्ष के पास ही रहेंगे। विपक्ष परम्परा के अनुसार उपाध्यक्ष पद के लिए दावा कर रहा है लेकिन अब संसदीय परम्पराओं का सम्मान ही कितना होता है। भाजपा के इस रूख को देखकर ही विपक्ष ने भी घोषणा कर दी कि अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों ही पदों पर चुनाव करवाया जाएगा।

यह अच्छी बात नहीं है लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के टकराव की शुरूआत प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि को लेकर हो चुकी है। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ सांसद के। सुरेश का नाम आगे किया गया था। इस प्रकार की भी परम्परा रही है क्योंकि 8 बार के सांसद के। सुरेश का दावा भी बनता था लेकिन भाजपा ने 7 बार के सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर बनवाया है। सरकार ने इसे नियमों के अनुरूप भी बताया। तर्क दिया गया कि भर्तृहरि कभी चुनाव नहीं हारे जबकि सुरेश दो बार पराजित हो चुके हैं। बहरहाल, विपक्ष के तेवर भी कमजोर नहीं दिख रहे हैं। कांग्रेस के सांसदों की संख्या ही इस बार लगभग दो गुनी हो गयी है। विपक्ष में 235 सांसद हैं और सरकार को संविधान संशोधन जैसे विधेयकों पर पीछे हटना पड़ेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के आर्टिकल 95 (1) के तहत ओडिशा के कटक से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। महताब संसद में नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। रिजिजू ने बताया कि राष्ट्रपति ने संविधान के आर्टिकल 99 के तहत लोकसभा स्पीकर के चुनाव तक नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाने में प्रोटेम स्पीकर की मदद करने के लिए सुरेश कोडिकुन्निल, थलिक्कोट्टई राजुथेवर बालू, राधा मोहन सिंह, फग्गन सिंह कुलस्ते और सुदीप बंदोपाध्याय को नियुक्त किया है।

कटक लोकसभा क्षेत्र से छह बार सांसद रहे महताब ने 22 मार्च को बीजद की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें बीजद में स्वतंत्र रूप से काम करने का पर्याप्त मौका नहीं मिला। तभी से उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें थीं। महताब के इस्तीफा देने के कुछ ही दिन बाद बीजद ने लोकसभा चुनाव के लिए महताब का टिकट काट दिया था। कटक में महताब के स्थान पर बीजद ने संतृप्त मिश्रा को उम्मीदवार बनाया।

संक्षिप्त खबरें

गोंडी रीति-रिवाज के साथ मनाई गई महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस

दुद्धी, सोनभद्र(एजेंसी)। कस्बे से सटे महारानी दुर्गावती स्थल पर सोमवार को महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सबसे पहले आदि बड़ा देव, बावनगढ़, सतावन परगना के देवी देवताओं का आह्वान कर सेवा जोहार गोंडवाना संस्कृति से पूजा अर्चना किया गया। मुख्य धर्माचार्य रामनाथ,गिरधारी लाल, रामदेव के द्वारा मुख्य यजमान वरिष्ठ समाजसेवी संजय कुमार गौड़ वाराणसी के द्वारा सम्पन्न हुई। यजमान के रूप में संजय कुमार गौड़ ने विधिवत पूजा पाठ की। अखिल भारतीय महासंघ के जिलाध्यक्ष फौदार सिंह परस्ते ने कहाँ कि बलिदान दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाराणसी के जयपुर मूर्ति भंडार के स्वामी एवं वरिष्ठ समाजसेवी संजय कुमार गौड़ जी रहें, जिनका इस तरह के कार्यक्रम में हमेशा से चढ़ बढ़कर हिस्सा लिया जाता हैं और ये समाज के प्रति अपनी सेवा भावना को लेकर दृढ संकल्पित हैं।

मुख्य अतिथि संजय कुमार गौड़ ने कहाँ कि आदिवासी समाज को संगठित होकर अपनी इतिहास को बचाना हैं। अपनी सभ्यता संस्कृति की रक्षा करते हुए अपने बच्चों को पढ़ाना हैं ताकि वह अपने हक व अधिकार के लिए लड़ सके। उन्होंने कहाँ कि आज के समय में शिक्षा महत्वपूर्ण हैं इसलिए आप भले बनी मजदूरी करें लेकिन अपने बच्चों को स्कूल जरूर भेजें।उन्होंने कहाँ कि हम सब लोगों को महारानी दुर्गावती से सीखना चाहिए देश एवं समाज सेवा के लिए अपनी जीवन कुर्बान कर दिया जिन्हें हम आज बलिदान दिवस के रूप में याद करते हैं। इतिहास के पन्नो में 24 जून का दिन हमेशा बलिदान दिवस के रूप में याद किया जाता रहेगा। इस मौके पर सुरेन्द्र रंगीला, रामफल,राम शरण, हीरा मणी, मीरा सिंह, रंजना सिंह, राजकुमार, गिरधारी, चन्द्रकला, शकुंतला, अनीता, प्रियंका, शिवानी सहित अन्य उपस्थित रहें।

एलटी लाइट से वृद्धि महिला की हुई मौत

सोनभद्र(एजेंसी)। सदर कोतवाली क्षेत्र के बसौली गांव में रविवार दोपहर बाद एलटी लाइट के चपेट में आने से 70 वर्षीय अधेड़ महिला की हुई मौत। जानकारी के अनुसार हिनौती 70 वर्षी पति स्वर्गीय कटीला बसौली गांव निवासी रविवार दोपहर बाद घर के बाहर लाइट पोल के समीप कार्य कर रही थी इसी दौरान एलटी लाइट के चपेट में आ गई आसपास के लोगों द्वारा आनन फानन में उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया। वही मृतिका के परिजनों ने बताया कि बिजली विभाग द्वारा की जा रही लापरवाही से आए दिन हो रही लोगों की मौत फिर भी क्यों नहीं हो रही बिजली विभाग के संबंधितों पर कार्रवाई।

जन शिकायतों की सुनवाई गुणवत्तापूर्ण ढंग से हो-इओ विजय

सोनभद्र(एजेंसी)। उ०प्र० शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद में विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया।

तत्कम में सोमवार को जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 4. नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 3, नगर पंचायत ओबरा में 0, नगर पंचायत रेनुकूट में 2, नगर पंचायत पिपरी में 0, नगर पंचायत दुद्धी में 3. नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 4, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 21 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई पेयजल व मार्ग प्रकाश से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारीध्नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है।

महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, जांच में जुटी पुलिस

चिरैयाकोट, मऊ(एजेंसी)। सरसेना चौकी क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम अलीनगर निवासी सोनू यादव पुत्र अशोक यादव की पत्नी पंकज यादव उम्र 26 की अचानक तबियत खराब होने पर चिरैयाकोट में स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज हेतु जहाँ डाक्टर को बताया की बुखार है वही डाक्टर ने इलाज हेतु कही अन्य डाक्टर के यहाँ ले जाने का दिया सलाह उसके बाद परिजन उसे घर पर ले गयें। उसकी सुबह स्थिति ज्यादा खराब होता देख वह लोग महिला को लेकर आजमगढ़ ग्लोबल हास्पिटल पहुंचे जहां डाक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। जिसकी सूचना महिला के भाई अभिषेक यादव को दिया भाई ने संदेह जाताते हुए पुलिस को तहरीर दिया है पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। बताया जाता है कि चिरैयाकोट थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम अलीनगर निवासी अशोक यादव ने बताया कि हमारे पुत्र सोनू यादव की शादी पंकज यादव पुत्री राम लखन यादव निवासी गनजोर थाना मेहनगर के साथ 21 नवम्बर 21को हुई थी। उसके बाद से वह हमारे परिवार के साथ खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे थे। उसके बाद 11 महीने की एक पोती है उस दौरान वह अपने माइके चली गई। और वह 20 जून को बिदाई करवाकर अपने ससुराल घर चली आयी। जिसकी तबियत 23 जून रविवार को अचानक खराब हो गई, नगर के एक निजी अस्पताल में दिखाया गया,उसके बाद सोमवार को प्रातः तबियत ज्यादा खराब होने पर उसे हम लोग आजमगढ़ इलाज के लिए लेकर चले गयें। जहाँ पर डाक्टर ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया।

भाई ने बहन की मौत पर जताई आशंका

जबकि अभिषेक यादव पुत्र रामकरन यादव ने बताया कि एक वर्ष पहले किसी बात को लेकर हमारी बहन से वह लोग विवाद किये थे। जिसके कारण पंकज अपने मइका में लगभग एक वर्ष तक रही और वह लोग 20 जून को हमारी बहन की बिदाई कराकर लाये थे। कि आज अचानक तबियत खराब होने के कारण मौत हो गई है। जबकि हमारी बहन की 21 नवम्बर 2021 को शादी हुई है उसकी ग्यारह महीने की एक पुत्री भी है। पंकज के भाई अभिषेक यादव ने कहा कि रविवार को सोनू यादव ने कहा कि तुम अपनी बहन को ले जाओ अन्यथा कुछ भी हो सकता है। थानाध्यक्ष संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि भाई की तहरीर के आधार पर शव को पोस्टमार्डम हाऊस भेज दिया है जांच में पुलिस जुटी है।

जननायक में प्रत्येक रविवार डा संजय सिंह गरीबों का करेंगे उपचार

मऊ(एजेंसी)। जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल एंड कैंसर इंस्टीट्यूट में प्रत्येक रविवार को प्रसिद्व चिकित्सक डॉ संजय सिंह ग्रामीण गरीबों का उपचार करेंगे। ग्राम्यांचल मेंस्थित इस चिकित्सालय में रविवार को दोपहर 12 बजे से दो बजे तक डॉ सिंह की चिकित्सकीय सुविधाओं का लाभ क्षेत्रीय ग्रामीणों को प्राप्त होगी। इस संदर्भ में डॉ सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के प्रयास से जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल द्वारा गरीब ग्रामीणों को सर्वोत्तम चिकित्सकीय सुविधा प्रदान किया जाना है। पैसे के आभाव में गरीब ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हो जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए प्रत्येक रविवार की दोपहर से लेकर शाम तक मैं अपनी चिकित्सकीय सेवाएं उस ग्रामीण अंचल में प्रदान करुंगा। डॉ सिंह ने बताया कि सरकारी दर पर जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल में सभी प्रकार की जांच की सुविधा की उपलब्धता के साथ ही न्यूनतम शुल्क पर वहां उपचार किया जाता है। गरीब ग्रामीणोंको सर्वोत्तम चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल प्रतिबद्ध है।

महानतम वीरांगनाओं में शामिल हैं रानी दुर्गावतीः हाफिज अयाज

बाराबंकी(एजेंसी)। जुल्म के आगे झुकने से इंकार कर स्वतंत्रता और अस्मिता के लिए युद्ध भूमि मे हंसते–हंसते अपने प्राणों की आहुति देने वाली रानी दुर्गावती का नाम भारत की महानतम वीरांगनाओं मे सुमार है। उक्त विचार समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने आज जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पर गोंडवाना राज्य की रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित विचार गोष्ठी में रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के उपरांत उपस्थित पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किये, जिलाध्यक्ष ने रानी दुर्गावती के जीवन पर चर्चा करते हुए कहा कि रानी दुर्गावती भारत की एक प्रसिद्ध वीरांगना थीं जिनका शासन मध्यप्रदेश राज्य गोंडवाना में था जिनके संघर्ष समर्पण और शौर्य की गाथा हिंदुस्तान के बच्चे बच्चे की जुबान पर आज भी है नाम के अनुरूप ही तेज साहस शौर्य और संघर्ष की प्रतीक रानी दुर्गावती एक ऐसी नायिका थी जिन्होंने जनता की भलाई के लिए लड़ाई लड़ते हुए अपने जीवन को बलिदान कर दिया उनके साहस समर्पण और लक्ष्य को प्राप्त करने की शक्ति से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हम को जीवन में कभी किसी भी छड़ अपने आप को कमजोर ना समझ कर बड़ी से बड़ी लड़ाई को लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए जिसमें जनता देश और समाज का हित हो। विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से हिमांशु यादव, प्रीतम वर्मा, प्रदुमन यादव, जसवंत यादव, लल्ला यादव, मोनू रावत, अंकित वर्मा, अजय सिंह लोधी, मोहम्मद आजम आदि तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

सभी एमओआइसी योजनाओं में पेडेंसी की नियमित मानिटरिंग करेः सुदन

बाराबंकी। जनपद की जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन आज मुख्य विकास अधिकारी अ. सुदन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में किया गया। मासिक समीक्षा बैठक में मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों की भौतिक व वित्तीय समीक्षा विस्तृत रूप से की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने आभा आईडी बनाने को लेकर सख्त निर्देश दिए कि सभी आशाएं अपने लक्ष्य के सापेक्ष आशा आईडी बनाना सुनिश्चित करें। उन्होंने एमओआइसी को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि सभी एमओआइसी अपनी आशाओं को सक्रिय करें, जिससे उनके स्तर पर होने वाली लापरवाही न होने पाए और योजनाओं में किसी भी प्रकार की पेंडेंसी ना रहे।

टीकाकरण को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि टीकाकरण का कार्य शत प्रतिशत कराना एवं छूटे हुए बच्चों और लाभार्थियों का शत प्रतिशत टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें। जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत शत प्रतिशत लाभार्थियों का भुगतान कराया जाए। और मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जो आशाएं अपना कार्य पूर्ण रूप से नहीं कर रही हैं, उनको चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई संज्ञान में लाई जाए। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक लाभार्थियों को लाभ दिया जाए। उन्होंने आशाओं का भुगतान शत प्रतिशत कराने के निर्देश संबन्धित को दिए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने में तेजी लाई जाए। बैठक में एचबीएनसी, एसएनसीयू, मंत्रा पोर्टल, सीडीआर अपडेट, कोल्ड चौन, वीएचएनडी सत्र, ईसी आर पी, चिकित्सकों की उपलब्धता, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, दवाओं की उपलब्धता, एंबुलेंस की उपलब्धता, एमआईएस पोर्टल, एएनसी, परिवार नियोजन, पीपीआई सीडी, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, आरबीएसके, एमडीआर, आदि की विस्तार से समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अवधेश यादव, सीएमएस पुरुष जिला अस्पताल डॉ बृजेश, सीएमएस महिला जिला अस्पताल डॉ. प्रदीप, एसीएमओ डॉ डी के श्रीवास्तव, समस्त डिप्टी सीएमओ, जिला पंचायत राज अधिकारी नीतेश भोंडले, डीपीएम सहित समस्त चिकित्सा अधीक्षक आदि उपस्थित रहे।

जिला सूचना अधिकारी ने बांटी प्रसूता महिलाओं को किट

बाराबंकी(एजेंसी)। संस्था जागो री जागो के मासिक कार्यक्रम सरकारी अस्पताल में प्रसव करायें बेटी होने पर खुशी मनाएं सोमवार को जिला महिला अस्पताल में भर्ती प्रसूता महिलाओं को अस्पताल अधीक्षक डा.प्रदीप कुमार, जागो री जागो कार्यक्रम संयोजक चंद्र प्रकाश की उपस्तिथि में बतौर मुख्य अतिथि जिला सूचना अधिकारी आरती वर्मा द्वारा जागो री जागो टीम सदस्यों कंचन तिवारी, रश्मि जायसवाल ममता श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव, संजू गुप्ता,पुष्पा त्रिवेदी, आरती वर्मा, रूबी रस्तोगी, भावना गुप्ता, गीता देवी, बबली काजल, नेहा, पारुल के साथ अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं को बेड पर जाकर एवं अन्य दिखाने आई जरूरतमंद महिलाओं को 90 पैकेट फल सेब, आम, केला, बिस्कुट, ब्रेड और नवजात कन्याओं को 30बेबी हाइजिन किट बेबी मैट्रेस, बेबी जैकेट बेबी कैप, बेबी डायपर, बेबी ब्लैकेट, नहाने का साबुन, हैंड वाश और दलिया निःशुल्क वितरण किया गया और सरकारी अस्पताल में प्रसव कराकर शतप्रतिशत सरकारी सुविधा का लाभ उठाने के लिए अपने आस पास की गर्भवती महिलाओं को प्रेरित करने की महिलाओं से अपील की गई। इस अवसर पर प्रताप सिंह वर्मा, रमेश चंद्र, अखिलेश कुमार, दिनेश चंद्र वर्मा, डा. रामा नंद, रवि भाई, राधे रमन वर्मा की विशेष उपस्तिथि रही।

वातानुकूलित बस से निःशुल्क यात्रा करेंगे मऊजनपद के श्रद्धालु

मऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मऊ जनपद के श्रद्धालु अगर अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर दर्शन करना चाहे तो उन्हें अब किसी विशेष यात्रा खर्च की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उसके लिए जनपद के ही मूल रूप से निवासी व वर्तमान में नागपुर में देश के स्थापित व्यापारी निको ग्रुप आफ कंपनीज के संस्थापक बसंत साव व अध्यक्ष अरविंद जायसवाल के तरफ से वातानाकुलित वस की व्यवस्था कर दी गई है। इस बस के संचालन का शुभारंभ उनके पारिवारिक सदस्य व ग्राम प्रधान संघ जिलाध्यक्ष अजय जायसवाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर किया। इतना ही नहीं जनपद के निवासियों के अंतिम संस्कार के निमित्त श्मशान घाट ले जाने के लिए 8 शव वाहन भी उक्त समाजसेवी द्वारा प्रदान किए गए। इन वाहनों के संचालन की पूरी जिम्मेदारी समाजसेवी और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अजय जायसवाल द्वारा निभाया जा रहा है। ग्राम प्रधान संघ जिला अध्यक्ष समाजसेवी अजय जायसवाल ने बताया कि जनपद की माटी इटौरा गांव में जन्मे बसंत साव जायसवाल जो आज देश में एक स्थापित औद्योगिक घराने नीको ग्रुप ऑफ कंपनीज के रूप में स्थापित हो चुके है।

समस्याओं से आजिज लोंगो ने लगाई गुहार

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ(एजेंसी)। स्थानीय तहसील के लग्गूपुर बाजार में अधूरी सड़क–पटरी व जलजमाव से आजिज लोंगो ने समस्याओं से निजात दिलाने की प्रशासन से गुहार लगाई है। बताया गया है कि ऊपर से कोढ़ में खाज पुलिस द्वारा गाड़ियों का चालान काटकर किया जा रहा है। आखिर बाजार में विभिन्न कार्यो से आने वाले दर्जन भर गाँवों के लोग किससे फरियाद करें। बता दें कि कई वर्षों से इस बाजार से होकर जाने वाला करहाँ–जहानागंज मार्ग बद से बदतर बना हुआ है। पिछले कुछ समय से एफडीआर तकनीकी से बनाया जाने लगा तो क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली, लेकिन बाजार में अधूरा काम छोड़कर कार्यदायी संस्था का कहीं कोई अता–पता नहीं चल रहा है। सड़क, पटरी व पार्किंग के अभाव में बैंक, स्कूल, जनसेवा केंद्र, अस्पताल व व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर आने वाले लोग जब गाड़ियां खड़ी करते हैं तो चालान काट दी जा रही है। क्षेत्रीय नागरिक मनीष कुमार सिंह, मनोज कुमार, राजेश सिंह, सोनू पांडेय, संतोष कुमार, चंद्रभूषण सिंह, रोहित वर्मा, अशोक पांडेय, सत्येंद्र सिंह, सुनील वर्मा, बृजेश यादव, देवेंद्र सिंह, राजू सरोज, बसंत सिंह, पारस सोनकर, सुनील सिंह, भारत राजभर, सोनू सिंह, रामजीत शर्मा, भूपेंद्र सिंह आदि ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं एवं पुलिस प्रशासन से समस्या के निराकरण की गुहार लगाई है।

दूसरी राजस्व टीम गठित कर सीमांकन कराने की लगाई गुहार

नदवासराय, मऊ(एजेंसी)। तहसील घोसी क्षेत्र स्थित ग्राम सरहरा जमीन सरहरा मे एक व्यक्ति की भूमिधरी जमीन पर बीना किसी सूचना के राजस्व टीम द्वारा सीमांकन कर निषान लगाने पर पिड़ित ने राजस्व टीम पर गलत तरिके से कार्य किए जाने का आरोप लगाते हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस पर उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया है और स्थलीय निरिक्षण कराकर दूसरी राजस्व टीम गठित कर सीमांकन कराने की गुहार लगाया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार जमीन सरहरा निवासी बेचन चौहान पुत्र चौथी ने आरोप लगाते हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस पर उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है कि बिना उसको सूचना दिये अचानक राजस्व टीम पहुंच कर उसकी भूमिधरी की जमीन गाटा संख्या 512 पर सीमांकन कर गलत तरीके से निषान लगवा दिया है। जो पूरी तरह गलत है। इस बाबत बेचन चौहान ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है और दूसरी टीम गठित कराकर पुनः सीमांकन कराने की मांग किया है।

महिला व युवा कमेटी का भी हुआ गठन

मऊ(एजेंसी)। प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मंडल मऊ जिला इकाई का पुनर्गठन सोमवार को किया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी के साथ ही श्रीराम जायसवाल पुनः जिला महासचिव मनोनीत किए गए। संगठन के प्रदेश सचिव विजय सर्राफ की उपस्थिति में गठित इस कमेटी में जिला उपाध्यक्ष पद पर अश्वनी सिंह, भारतेंदु त्रिपाठी चुने गए। जबकि जिला सचिव पद पर गौरव जायसवाल, अंजनी सिंह व राकेश उपाध्याय मनोनीत किए गए। कोषाध्यक्ष दिलीप तानवानी बने। औद्योगिक क्षेत्र ताजोपुर व इंडस्ट्रियल क्षेत्र के नगर अध्यक्ष प्रवीण चंद्र मिश्रा, नगर अध्यक्ष पूर्वी रोहित पटेल व नगर सचिव शरद जायसवाल बनाए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप शुक्ला की संस्तुति पर पूर्व द्वारा गठित कमेटी भंग कर दी गई थी। जिसके बाद उनकी ही संस्तुति पर नई कमेटी का गठन किया गया। जिसमें महिला उद्यमी जिलाध्यक्ष के रूप में नीलम सर्राफ व जिला सचिव शुभ्रा चौरसिया व रेनू तिवारी चुनी गई। युवा उद्यमी जिलाध्यक्ष रितेश सिंह व जिला सचिव प्रभात जायसवाल चुने गए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी, युवा प्रदेश मंत्री मनीष वर्मा, शाहिद हुसैन, राहुल सिंह, विवेक सिंह सहित उद्यमी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान फरार हुए दो शातिर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ(एजेंसी)। थाना कोतवाली पुलिस को उस समय अहम सफलता हाथ लगी जब देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर मुंशीपुरा ब्रिज के पास से गोली कांड से सम्बन्धित (मु0अ0सं0 208ध 2024 धारा 34,ध307 भादवि, मु0अ0सं0 211ध24 धारा 307,504,506 भादवि) वांछित अभियुक्त रिक्की खान पुत्र हक्की उस्मान निवासी हड्डीमदारी थाना कोतवाली नगर जनपद मऊ तथा मु0अ0सं0 मु0अ0सं0 208ध2024 धारा 34,ध307 भादवि में वांछित अभियुक्त प्रीतम चौहान पुत्र नखडू चौहान निवासी मुंशीपुरा थाना कोतवाली नगर जनपद मऊ के कब्जे से एक अदद तमन्चा व दो अदद जिन्दा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

शिक्षकों को सिम का किया गया वितरण

दोहरीघाट, मऊ(एजेंसी)। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों एवं कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक को टैबलेट संचालन हेतु सिम कार्ड का वितरण किया गया। सिम कार्ड का वितरण खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार और एआरपी सुजीत राय एवं अशोक यादव द्वारा किया गया। सिम मिल जाने के बाद सभी अध्यापकों को डिजिटल रूप में सभी कार्य करने होंगे। जिसमे बच्चों की उपस्थिति एम डी एम अध्यापको की उपस्थिति सहित दीक्षा एप एवं अन्य सभी विभागीय कार्य उपरोक्त दिए गए टैबलेट के माध्यम से किए जाएंगे। सिम प्राप्त करने वालों में मुख्य रूप से सतीश कुमार, सतीश राय, ओज राय, रामदरस, स्नेहलता गुप्ता, स्वयंप्रभा राय, कंचन लता राय, प्रमोद मिश्रा, राम शब्द यादव, दिनेश सिंह, उपेंद्र चौहान, तेजप्रताप, विजय प्रकाश गुप्त, यामिनी जायसवाल, अनुपमा राय, नीरज कुमार सहित ब्लॉक के सैकड़ो शिक्षक उपस्थित रहे।

शत-प्रतिशत अभियान को सफल बनाने के लिए अधिकारियों की अहम जिम्मेदारीः सत्येन्द्र कुमार

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी ने की बैठक

बाराबंकी(एजेंसी)। सोमवार को जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में 01 से 31 जुलाई 2024 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 से 31 जुलाई 2024 के मध्य दस्तक अभियान को लेकर अंतर्विभागीय समन्वय की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुड़े मामलों की आशंका को देखते हुए जनपद में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जनपद में 01 से 31 जुलाई 2024 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 01 जुलाई से पहले संचारी रोग नियंत्रण के सम्बन्ध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता, सैनिटाइजेशन तथा फॉगिंग का विशेष कार्यक्रम संचालित किया जाए। तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव तथा कूड़े का निस्तारण ठीक ढंग से किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि निगरानी समितियां डोर–टू–डोर सर्वे करें और यदि कोई बच्चा बुखार आदि से ग्रसित है, तो उसे मेडिसिन किट उपलब्ध कराएं। साथ ही, महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण स्तर पर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु तालाबों/नालों व नालियों की साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों से संचारी रोगों के नियंत्रण व रोकथाम के सम्बन्ध में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नगर विकास, पंचायतीराज, आईसीडीएस, ग्राम्य विकास, चिकित्सा शिक्षा, शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, कृषि, पशुपालन, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सूचना विभाग तथा अन्य सभी सबंधित विभाग को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर संचारी रोगों की रोकथाम व नियंत्रण की के संबंध में कार्यवाही करें। उन्होंने ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सुकर पालकों द्वारा मानव बस्तियों से दूर सुकर को पाला जाय। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ब्लाक स्तरीय कार्ययोजना बनाते समय सम्बन्धित सीएचसी के अधीक्षक, सीडीपीओ व अन्य सम्बन्धित अधिकारी बैठक करते हुए कार्ययोजना बनाना सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश यादव द्वारा बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य व चिकित्सा विभाग को सौपें गये सभी कार्यो व दायित्वों का निर्वहन सभी डॉक्टर, चिकित्सा कर्मी, आशा, एएनएम, शत–प्रतिशत सुनिश्चित करेंगे शिथिलता व लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी।

आखिर कब बनेगा कटका नाले पर नया पुल

रामनगर बाराबंकी(एजेंसी)। कटका नाले के जर्जर पुल की जगह नया पुल बनाने की दिशा में कोई पहल नहीं शुरू हो सकी है। जिससे भारी वाहनों का जाम रामनगर कस्बे में बना रहता है। सभी डम्फर व भारी वाहन रामनगर बाजार होकर निकल रहे है। लोधेष्वर महादेवा के सावनी मेले में इस रास्ते से आने वाले भक्तो को भी कठिनाई उठानी पड़ेगी क्यो कि उनको भी 10 किमी रामनगर घूम कर जाना पड़ेगा। इस जरूरी पुल के तात्कालिक निर्माण की जरूरत है। बीते दो महीने पहले चौकाघाट मरका मऊ मार्ग पर कटका नाले के इस पुल की दीवारें क्रेक होने पर इसे भारी वाहनो के लिए बंद कर दिया गया।

शिक्षक संकुल बैठक संविलयन विद्यालय कौढ़ा में सम्पन्न

हरदोई(एजेंसी) ।विकास खंड बावन की न्याय पंचायत कौढ़ा की जून माह की शिक्षक संकुल बैठक आज संविलयन विद्यालय कौढ़ा में सम्पन्न हुई। बैठक का मार्गदर्शन एस आर आशीष मिश्रा ने किया व बैठक का संचालन शिक्षक संकुल अभिषेक गुप्ता ने किया।

बैठक में बोलते हुए एस आर जी आशीष मिश्रा ने कहा कि सभी शिक्षक साथियो को दिए गये लक्ष्य के अनुरूप तय समय में विद्यालय को निपुण बनाने में अपनी अहम भूमिका निभानी है। कमजोर छात्रों के लिए उपचारात्मक शिक्षण को नियमित चलाना चाहिए ।शैक्षिक वर्ष 2024– 25 में दोनों सत्रीय परीक्षाएं पूर्व की तरह होगी। बच्चो की नियमित उपस्थिति के लिए प्रत्येक विद्यालय में कार्ययोजना बनाकर छात्रों व अभिभावकों को जागरूक किया जाये। समय से डी बी टी का कार्य पूर्ण हो जाये। शिक्षक संकुल अभिषेक गुप्ता ने स्कूल चलो अभियान को सफल बनाने व विद्यालय को निपुण बनाने हेतु कार्ययोजना के निर्माण पर चर्चा की ।मासिक बैठक में हरियावां के ए आर पी अभय सिंह, बावन के ए आर पी अभिषेक तिवारी, शिक्षक संकुल अलोक कुमार, विकास कुमार, शोभित सिंह, ओम प्रकाश प्रसाद व शिक्षक रजनीश द्विवेदी, सुबोध गुप्ता, हरिहर सिंह, अनुराधा देवी, सारिका शुक्ला, चित्रा, नीलेश सिंह, आशुतोष दीक्षित आदि न्याय पंचायत के प्रत्येक विद्यालय से प्रधानाध्यापक के साथ एक शिक्षक मौजूद रहे।

रजबहा में डूबने से 4 वर्षीय बालक की हुई मौत

बिलग्राम/ हरदोई (एजेंसी) ।जिले के बिलग्राम थाना क्षेत्र के जरौली शेरपुर गांव में एक चार वर्षीय बालक की रजबहा में डूबने से मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार ,जरौली शेरपुर गांव के निवासी सुभाष का एक चार वर्षीय बालक सत्यम घर पास में बने मंदिर के परिसर में खेल रहा था, इसी बीच वो खेलते–खेलते पड़ोस से ही निकले रजबहे के पास पहुंच गया जिसके बाद उसका अचानक पैर फिसल गया और बच्चा रजबहा में जा गिरा जब तक आसपास के लोग वहां पहुंचे तब तक बच्चा डूब चुका था ।आनन फानन में कुछ लोग रजबहा में कूदे और बच्चे को बाहर निकाला ।

श्रीरामलला मन्दिर की छत से पानी का रिसाव निर्माण की गुणवत्ता पर उठा रही उंगली-प्रमोद तिवारी

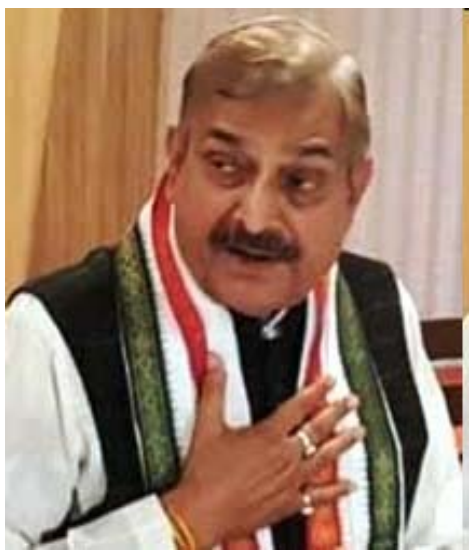

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर की छत से पानी टपकने को देश भर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को चिन्तित करने वाला करार दिया है। उन्होनें कहा कि श्रीरामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को अभी पांच माह भी पूरे नहीं हुए हैं ऐसे में मंदिर की छत से पानी का रिसाव होना घटिया निर्माण सामग्री पर सवालिया निशान खड़ा करता है। उन्होनें श्रीरामलला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास जी के बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि गर्भ गृह की छत से पानी के रिसाव की समस्या के साथ गर्भ गृह के बाहर वीआईपी दर्शन स्थल पर ही तेजी के साथ छत से पानी टपकना चिंताजनक है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि हल्की बरसात में ही मंदिर की छत से पानी का रिसाव होना मोदी सरकार के तमाम काले अध्याय में एक और काला अध्याय जोड़ गया है। उन्होनें कहा कि पिछले बाइस जनवरी को अधूरे मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। उन्होनें कहा कि अभी मानसून की बरसात बाकी है और ऐसे में अभी से ही मंदिर की छत से पानी का रिसाव होना निर्माण की गुणवत्ता पर भी उंगली उठाता है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में राजनैतिक लाभ लेने के लिए देश के शंकराचार्यो तक की गैरउपस्थिति में आननफानन में अधूरे श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा नहीं करायी जानी चाहिए थी। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के मुताबिक उन्होनें स्वयं राज्यसभा में दिये गये अपने वक्तव्य में इस पहलू पर जोर दिया था कि मंदिर के पूरी तरह निर्मित हो जाने तक धार्मिक मान्यता के अनुरूप मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा करनी चाहिए थी। उन्होने कहा कि मंदिर निर्माण की शुरूआती यह स्थिति देख देश को यह भी आशंका है कि वर्ष 2025 तक की निर्धारित तिथि आने तक भी मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हो पाएगा। उन्होने कहा कि मंदिर निर्माण के पहले चरण में ही जिस तरह से वहां पानी का रिसाव हुआ है उससे मोदी सरकार के चेहरे से मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जल्दबाजी के उठाये गये कदम से नकाब उतर गया है। उन्होने श्रीराम मंदिर निर्माण ट्रस्ट से आग्रह किया है कि वह पानी के रिसाव को तत्काल रोके जाने के साथ पुख्ता व्यवस्था करे कि दोबारा रिसाव न हो सके। उन्होनें कहा कि ट्रस्ट को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मंदिर में दर्शन का कार्यक्रम सुचारू रूप से निर्विघ्न जारी रहे। वहीं उन्होनें मोदी सरकार से अनुरोध किया है कि अब वह अपने राजनैतिक लाभ के लिए भगवान श्रीराम के नाम का दुरूपयोग न करे। वहीं उन्होनें लोकसभा में उपाध्यक्ष पद पर मोदी सरकार के द्वारा लोकतांत्रिक परम्पराओं के हनन पर भी कड़ा हमला बोला है। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार अघोषित इमरजेंसी लगाकर संसदीय परम्परा के क्षेत्र में भी लोकतंत्र की परम्पराओं का हनन कर रही है। उन्होने कहा कि देश की आजादी के बाद संसदीय इतिहास गवाह है कि लोकसभा अथवा विधानसभाओं में अध्यक्ष का पद सत्तारूढ़ दल और उपाध्यक्ष का पद विरोधी दल के पास रहा है। उन्होनें आरोप लगाया कि जब से मोदी सरकार आयी है परम्पराओं के विपरीत वह उपाध्यक्ष पद या तो रिक्त रख रही है या फिर सहयोगी दलों को दिया करती है। उन्होने कहा कि कांग्रेस ने केसुरेश को लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए विरोध स्वरूप इसलिए उतारा है ताकि मोदी सरकार को अभी से आगाह किया जा सके कि वह लोकतंत्र की मर्यादा नही रखेगी तो विपक्ष भी लोकतांत्रिक ढंग से उसे सचेत करने में अहम भूमिका में मजबूती के साथ दिखेगा। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी लोकसभा चुनाव में मनमाफिक लाभ नही हासिल कर सके। उन्होने कहा कि ऐसे में वह दूसरे दलों के समर्थन से अल्पमत की सरकार चला रहे हैं। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार बनने से लेकर अब तक देश में कई चिंताजनक आतंकवादी घटनाएं तथा दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार को अल्पमत की सरकार के बहुमत की चिन्ता के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की भी चिन्ता करनी चाहिए। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी का यह बयान यहां मंगलवार को मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

भारतबोध के प्रखर प्रवक्ता थे गणेशशंकर विद्यार्थी : प्रो.संजय द्विवेदी

हिंदुस्तानी अकादमी में संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज, 25 जून। पहिंदी पत्रकारिता में गणेशशंकर विद्यार्थी भारतबोध के प्रखर प्रवक्ता की तरह सामने आते हैं। उनकी पत्रकारिता का सूत्र है राष्ट्र प्रथम। इन्हीं मूल्यों के लिए उन्होंने अपना जीवन भी

बलिदान कर दिया ।ष्ये विचार भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी ने हिंदुस्तानी अकादमी द्वारा आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्ष की आसंदी से व्यक्त किए। कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डा.धनंजय चोपड़ा, वरिष्ठ पत्रकार शिवा अवस्थी, शिवशरण सिंह गहरवार, आचार्य श्रीकांत शास्त्री भी प्रमुख वक्ताओं में रहे। संचालन आलोक मालवीय ने किया। राष्ट्रीय एकता के निर्माण में गणेशशंकर विद्यार्थी की पत्रकारिताश विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रो.द्विवेदी ने कहा कि विद्यार्थी जी ने न सिर्फ प्रयागराज में जन्म लिया बल्कि यहीं से उन्होंने महावीर प्रसाद द्विवेदी और महामना मालवीय के सान्निध्य में पत्रकारिता की दीक्षा ली। यह नगर उनकी पुण्यभूमि है। प्रताप उनकी पत्रकारिता का उत्कर्ष है। जहां जब्ती, जुर्माना और जेल यात्राएं भी उन्हें तोड़ नहीं सकीं। लोकमान्य तिलक के राष्ट्र दर्शन से प्रभावित होने के कारण विद्यार्थी जी की समूची पत्रकारिता में क्रांतिकारी और परिवर्तनकारी विचार दिखते हैं। उनका मानना था कि पत्रकारिता का उद्देश्य समस्त मानव जाति का कल्याण है और शिक्षा, सुशासन तथा कुरीतियों के विरोध से ही यह संभव हो पाएगा। वे साफ कहते थे हम अपने जातीय गौरव की प्रशंसा करें किन्तु पत्रकारिता के माध्यम से अपने दोषों को भी प्रकट करें।

आपातकाल को न भूलें

प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि आज के ही दिन 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल थोपकर लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया गया था। प्रेस की आजादी का दमन किया गया था, सेंसरशिप के नाम पर अभिव्यक्ति के संवैधानिक अधिकार भी छीन लिए गए। इस काले अध्याय को न भूलें और ऐसी स्थितियों का निर्माण करें कि कोई भी लोकतांत्रिक अधिकारों का अतिक्रमण न कर सके। उन्होंने कहा कि प्रेस की आजादी ही लोकतंत्र को सफल और सार्थक बनाती है। कार्यक्रम में एकेडमी के सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, सरस्वती के संपादक रविनंदन सिंह, डा.अरूण कुमार त्रिपाठी, डा.विजय कुमार सिंह, संजय पुरुषार्थी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन गोपाल जी पाण्डेय ने किया।

आपातकाल की बरसी पर भाजपा कार्यालय में गोष्ठी संपन्न

संविधान को कोसने वाले कांग्रेसियों ने की थी संविधान की हत्याः अजीत सिंह बब्बन

हरदोई(एजेंसी)। 25 जून 1975 की रात्रि में कांग्रेस द्वारा संविधान की हत्या कर भारत में आपातकाल लागू किया गया आज उसकी बरसी पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ तथा जिले भर से आये लोकतंत्र सेनानियों को माला पहना तथा अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में आए जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने अपने संबोधन में कहा जो कांग्रेस के नेता आज संविधान की किताब दिखाकर तरह–तरह के झूठ पर प्रपंच कर रहे हैं उसी कांग्रेस ने संविधान को समाप्त कर इमरजेंसी लगाई ,सबके मौलिक अधिकार समाप्त हो गए थे, मीडिया पर सेंसर लगा दिया गया विपक्षी नेताओं को जेल में ठूंस दिया यहां तक की कमिटेड ज्यूडिशरी के नाम पर हाई कोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट को भी डराने का काम किया गया।

विडंबना है कि कांग्रेस ने जिन मुलायम सिंह के साथ भी वही दमनकारी व्यवहार किया, उनके पुत्र अखिलेश यादव आज अपनी क्षुद्र राजनीति के चलते उसी कांग्रेस के साथ खड़े हैं।

यदि अखिलेश यादव में शर्म बाकी हो तो उन्हें भी आज कांग्रेस की तानाशाही एवं लोकतंत्र की हत्या कर आपातकाल लगाने का जवाब मांगना चाहिए ।वह कुछ ना कर सके तो कम से कम अपने पिता के ऊपर किए गए अत्याचारों पर आवश्यक प्रश्न पूछना चाहिए। पर ऐसा लगता है तुष्टिकरण की राजनीति के चलते उनका मुंह सिल गया है।

इमरजेंसी के दौरान विपक्ष विहीन संसद में 38 वां 39 वां 40 वां 41 वां एवं 42 वां संशोधन कर उसे संसद जिसमें सिर्फ कांग्रेस के सांसद थे संसद को संविधान को नष्ट करने जोड़ने बदलने या निरस्त करने की निरंकुश शक्ति प्रदान की गई ।संसद या राज्य में कोरम की आवश्यकता समाप्त कर दी गई एक अकेला सांसद एक अधिनियम पारित कर सकता था ।न्यायपालिका किसी भी आधार पर संविधान में संशोधन पर सवाल नहीं उठा सकती थी मौलिक अधिकारों में संशोधन को न्यायिक समीक्षा से परे कर दिया गया।

संविधान के प्रियंबल में छेड़छाड़ कर धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द जोड़े गए ।न्यायपालिका चुनाव में भ्रष्टाचार में दोषी पाए गए किसी भी सांसद को आयोग नहीं ठहरा सकती थी।

जवान बुजुर्ग यहां तक कि कम उम्र बालकों की भी जबरदस्ती नसबंदियां की गई। विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को उठाकर जेल में डाल दिया जाता था ।जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा, जो स्वयं संविधान के हत्यारे हैं लगातार संविधान दिखाकर लोगों में झूठ और भ्रम फैला रहे हैं बगुला भगत बन रहे हैं जनता को इनसे सतर्क रहने की आवश्यकता है ।जनता को यह जानने की आवश्यकता है कि आज तक कांग्रेस सरकार ने 75 बार संविधान संशोधन किया है ।1947 से 2014 के बीच कांग्रेस ने 90 बार आर्टिकल 356 का दुरुपयोग कर प्रदेशों में विपक्षी पार्टियों की सरकारें गिरायी है। विडंबना है कि ये तानाशाह मोदी को कहते हैं।

इसी कांग्रेस ने इस चुनाव में गृहमंत्री अमित शाह का आरक्षण को लेकर फर्जी वीडियो बनाया और उसे प्रचारित किया। भारतीय जनता पार्टी सदैव कांग्रेस के संविधान विरोधी कृत्यों से लड़ती रही और आगे भी लड़ती रहेगी दोबारा देश को कांग्रेस द्वारा भ्रष्टाचार कर लूटने नहीं देगी ।गोष्टी को लोकतंत्र सेनानी संगठन के जिला अध्यक्ष रामकिशन राठौर, पूर्व जिला अध्यक्ष विद्याराम वर्मा,श्री कृष्ण शास्त्री ,राजीव रंजन मिश्रा, राम बहादुर सिंह, सुशील अवस्थी, अरविंद सिंह भालोद, आदि ने भी संबोधित किया ।संचालन कार्यक्रम के संयोजक राजेश अग्निहोत्री ने किया ।प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर, पीके वर्मा,जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, प्रीतेश दीक्षित,संजय सिंह गुड्डू महामंत्री ओम वर्मा, सत्येंद्र राजपूत,जिला मंत्री अविनाश पांडे, अजय शुक्ला, मीना वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष वेदराम राजपूत, किसान मोर्चा अध्यक्ष विश्वराज सिंह, आईटी संयोजक सौरभ सिंह ,सोशल मीडिया संयोजक प्रदुमन मिश्र, अविनाश मिश्रा, रीना गुप्ता, अनुराधा मिश्रा, रीना गुप्ता, चेतना शुक्ला आदि गोष्ठी में मौजूद रहे।

किशोरी से छेडछाड व धमकी का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी से छेडछाड व धमकी की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली के एक गांव की पीड़ित किशोरी के पिता रामलाल यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि तेईस जून की शाम उसकी नाबालिग पुत्री के साथ गांव रास्ते पर गांव का विपिन यादव पुत्र चुन्नी यादव जबरन रोककर छेडछाड करने लगा। पीड़िता के विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी विपिन यादव के खिलाफ छेडछाड व धमकी का मुकदमा दर्ज किया है।

हरे पेड़ की डाल काट ले जाने की शिकायत पर नहीं सुन रही पुलिस, उच्चाधिकारियों से गुहार

फोटो–01 कटैया नेवादा में दबंगों द्वारा काटा गया पेड़

लालगंज, प्रतापगढ़। पुस्तैनी जमीन पर लगे हरे पेड़ की डाल को काट ले जाने की घटना को लेकर पीड़ित ने वन क्षेत्राधिकारी समेत उच्चाधिकारियों से शिकायत की है। विकासखण्ड लक्ष्मणपुर अन्तर्गत लीलापुर थाना क्षेत्र के कटैया नेवादा निवासी अक्षय कुमार सिंह पुत्र लल्लन सिंह ने उच्चाधिकारियों को भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि वह भिलाई नगर छत्तीसगढ़ में रोजगार के सिलसिले में रहता है। पीडित का आरोप है कि उसके गांव में पुस्तैनी जमीन पर पूर्वजों द्वारा लगाया गया करीब सौ वर्ष पुराने गूलर के हरे पेड़ की डाल को गांव के कुछ दबंग काट ले गये। इसकी सूचना फोन पर मिलने के बाद पीड़ित ने गांव आकर बाइस जून को थाना समाधान दिवस पर शिकायत की। लेकिन जांच के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने वन क्षेत्राधिकारी समेत उच्चाधिकारियों से हरे पेड़ काट ले जाने को लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में वन दरोगा विजय प्रताप सिंह का कहना है कि शिकायत मिली है, जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आषाढ़ का महीना शुरू होते ही झमाझम बारिश से वासियों को मिली राहत

हरदोई(एजेंसी)। आषाढ़ का महीना शुरू होते ही झमाझम बारिश से मंगलवार को जिले वासियों को राहत मिली। महीने भर से भयंकर गर्मी झेल रहे लोगों को इस पहली बारिश ने काफी राहत दी, बारिश से तापमान में भी गिरावट आई है।

बताते चलें कि पिछले एक महीने से जबरदस्त गर्मी का लोगों को सामना करना पड़ रहा था। पूरा जेठ का महीना तपता रहा। लोग गर्मी व धूप से बेहाल हो गए। धूप के चलते जनजीवन तक अस्त व्यस्त होने लगा था। दोपहर में व्यापारियों के यहां सन्नाटा छा जाता था। मंगलवार की दोपहर बाद मौसम में लोगों को राहत दी। दिन के समय आधा घंटा जमकर बारिश हुई। बिजली कड़कने के साथ आधे घंटे की बारिश ने मौसम में काफी परिवर्तन ला दिया। बारिश से लोगों को जहां गर्मी से राहत मिली वही किसानों के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई। अब धान की फसल तैयार करने में आसानी हो जाएगी। तेज हवा के साथ आई बारिश के चलते क्षेत्र में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई, काले घने बादलों से दिन में रात का एहसास होने लगा।

व्यापार मंडल महामंत्री ने कस्बा की गोपी मार्केट में किया भण्डारे का आयोजन

कछौनाध्हरदोई(एजेंसी) ।व्यापार मंडल महामंत्री अवधेश गुप्ता ने मंगलवार को गोपी मार्केट में अपने प्रतिष्ठान पर भंडारा का आयोजन किया। बालाजी हनुमान की विधि विधान से पूजा कर मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल ने शुभारंभ किया। जिसमें कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने बढ़ चढ़कर प्रसाद ग्रहण किया। इस गर्मी के मौसम में इस तरह के आयोजनों से आवागमन करने वालों को बूंदी, मिष्ठान, पूड़ी, सब्जी प्रसाद ग्रहण कर राहत मिलती है। वही इस तरह के आयोजन से लोगों में एक दूसरे के प्रति प्रेम भावना भाईचारा बढ़ता है। सामाजिक समरसता का सबसे अच्छा कदम है, जहां ऊँच नीच जाति पांति भूलकर एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं ।इस अवसर पर नगर अध्यक्ष राधा रमण शुक्ला उर्फ पंकज शुक्ला, व्यापार मंडल संरक्षक रामखेलावन गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष रवी गुप्ता, प्रधान प्रतिनिधि सिद्धपाल, गोपाल जी गुप्ता, गुप्ता सहित व्यापारी, सभासद गण सहित प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

पुरानी जमीनी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में मुखिया सहित पांच घायल

हरदोई(एजेंसी)। जनपद के कोतवाली क्षेत्र मल्लावां के ग्राम बेरिया नजीरपुर में जमीन को लेकर पुरानी रंजिश चली आ रही थी पीड़ित रविन्द्र सिंह ने बताया आरोपी राहुल सिंह, कुबेर सिंह,अंकित सिंह, गुल्लै सिंह, विक्रम सिंह आदि लोग आए दिन हमारे परिजनों के साथ वीडियो बनाना,आते जाते समय उल्टी सीधी बातें करना, हम लोग लड़ाई शांत रखते हैं फिर भी आज पूर्व योजना के तहत पुरानी रंजिश को मानते हुए लाठी डंडा आदि से हमला कर दिया जिससे कमला देवी पत्नी रविंद्र सिंह 54 वर्ष व पुत्री मोहिनी देवी 22 वर्ष पुत्र गुड्डू सिंह उम्र 37 वर्ष पुत्री रानी सिंह उम्र 24 वर्ष व रविंद्र सिंह पुत्र स्वर्गीय प्यारेलाल 68 वर्ष को मारपीट कर घायल कर दिया पूर्व में भी कई बार मारपीट करने की कोशिश कर चुके।

क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर सीएम से मिले सदस्य विधान परिषद

कछौनाध्हरदोई(एजेंसी) ।सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न जन समस्याओं को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने जन समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारण कराने का आश्वासन दिया ।बतातें चलें ,विकासखंड कछौना की प्रमुख समस्या ग्राम कन्हौआ के आवागमन के लिए मार्ग नहीं है। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण हो जाने के बाद गांव को आगमन हेतु कोई पक्का मार्ग नहीं है। बरसात के समय ग्रामीणों का आवागमन बंद हो जाता है। गांव को इमरजेंसी वहां 112, एंबुलेंस 108, 102 नहीं पहुंच पाते हैं। गांव की पूरब दिशा में रेलवे लाइन है, दूसरी तरफ ड्रेन (बरसाती नाला) है। एक तरफ पुल की नितांत आवश्यकता है। वहीं क्षेत्र की प्रमुख मार्गो ज्ञानपुर मार्ग से पलिया डीह तक संपर्क मार्ग, बरौली डामर रोड से ढोली गांव तक मार्ग, पहाड़पुर डामर रोड़ से रेलवे लाइन मार्ग, बालामऊ गांव से नारायण देव तक मार्ग, बालामऊ गांव से महेशन मढ़िया तक मार्ग, लखनऊ हरदोई मार्ग से कीरतपुर तक संपर्क मार्ग आदि का जीर्णोद्धार व मरम्मत कार्य कराने की विषय में अवगत कराया। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के लोगों का आवागमन सुगम होगा। क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल क्षेत्र की जन समस्याओं के निराकरण लिए सजग रहते हैं। जन समस्याओं के निराकरण के लिए सतत प्रयासरत रहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल की जन समस्याओं के पत्रों को प्रमुखता से निराकरण कराने की बात कही।

विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दंपत्ति की शान'

हरदोई(एजेंसी) ।हर साल की भांति इस साल भी 11 जुलाई को विश्व जनसँख्या दिवस मनाया जायेगा ।इसको मनाये जाने का उद्देश्य जनसँख्या स्थिरीकरण के प्रति लोगों को जागरूक करना और परिवार कल्याण कार्यक्रम को गति देना है ।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रोहताश कुमार ने बताया कि इस साल विश्व जनसँख्या दिवस की थीम है "मां और बच्चे की सेहत के लिए गर्भधारण का सही समय और अंतर" तथा जनसँख्या स्थिरता पखवाड़ा का नारा है– 'विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दंपत्ति की शान'। इसी क्रम में एक से 20 जून तक जनसँख्या स्थिरता पखवारा का प्रारंभिक चरण, 27 जून से 10 जुलाई तक दूसरा चरण कम्युनिटी मोबिलाइजेशन और 11 से 24 जुलाई तक सेवा प्रदायगी पखवारा मनाया जाएगा द्य प्रारंभिक चरण में लक्षित दंपत्तियों को प्रेरित किया गया और सेवा प्रदायगी गतिविधियों को अच्छे ढंग से जमीन पर उतारने के लिए तैयारियों को अंजाम किया गया इसके साथ ही इसमें सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षण देने के साथ ही परिवार नियोजन साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी ।कम्युनिटी मोबिलाइजेशन पखवारे में जनसमुदाय को परिवार नियोजन के महत्त्व के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे सारथी वाहन, सास–बेटा– बहु सम्मलेन आदि का आयोजन किया जाएगा ।वहीं सेवा प्रदायगी पखवारे के दौरान सभी स्वास्थ्य इकाईयों में परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों (बास्केट ऑफ च्वाइस) के बारे में परामर्श दिया जायेगा और योग्य एवं इच्छुक लाभार्थियों को यह साधन उपलब्ध भी कराए जाएंगे ।मुख्य चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि हमें समुदाय को परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों को अपनाने पर जोर देना है और उन्हें पारम्परिक साधनों को अपनाने से रोकना है द्य थीम के अनुसार माँ और बच्चे का स्वास्थ्य बेहतर रहे इसके लिए जरूरी है कि सही उम्र में माँ गर्भधारण करे और वह स्वस्थ हो इसके आलावा दो बच्चों के बीच कम से कम तीन साल का अंतर हो द्य इससे माँ बच्चों की देखभाल के साथ ही अपनी देखभाल भी सही से कर पायेगी द्य इसी क्रम में स्वास्थ्य इकाइयों में बास्केट ऑफ च्वाइस की सुविधा है जिसमें परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधन मौजूद हैं द्य लाभार्थी अपनी पसंद के अनुसार इनमें से कोई भी साधन चुन सकता है द्य परिवार कल्याण को लेकर लगातार गतिविधियाँ की जा रही है जिनमें हर माह खुशहाल परिवार दिवस और अंतराल दिवस प्रमुख है इसके साथ ही छाया ग्राम्य स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर भी इस बारे में जानकारी दी जाती है।

करंट की चपेट में आने से वृद्धा की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। घर में दरवाजे पर सो रही वृद्धा की विद्युत करंट की चपेट में आने से मौत हो गयी। वृद्धा की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। लालगंज कोतवाली के खपराही गांव की चंद्रकली 70 पत्नी स्वर्गीय रामधनी सरोज सोमवार की रात घर के बरामदे मे फर्राटा पंखा लगाकर सो रही थी। रात में सोकर उठने के दौरान फर्राटे के तार में उतरे करंट की चपेट में आ गयी। जिससे उसकी मौत हो गयी। मृतका की दो संतान पुत्र हरिकेश व पुत्री कविता हैं। दोनों विवाहित हैं। रानीगंज कैथौला चौकी इंचार्ज सुरेन्द्र सिंह का कहना है कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

ड्यूटी के दौरान होमगार्ड की मौत, कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्रामीण बैंक राजापुर के पास रात में ड्यूटी कर रहे होमगार्ड की अचानक तबीयत खराब होने से मौत हो गयी। घटना से परिजनों में कोहराम मचा है। लालगंज कोतवाली के बेलहा गांव निवासी संतलाल गुप्ता 57 लालगंज में होमगार्ड है। सोमवार की रात उसकी ड्यूटी उदयपुर थाना क्षेत्र के राजापुर इलाके में लगी थी। वह अपने साथी रामलखन यादव के साथ रात में ड्यूटी कर रहा था। इसी बीच अचानक सीने में दर्द होने से उसकी तबीयत खराब हो गयी। साथी होमगार्ड ने पुलिस को सूचना दी और उसे लेकर इलाज के लिए सांगीपुर सीएचसी पहुंचा। यहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने होमगार्ड को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

रोहित की 92 रन की तूफानी पारी से भारत सेमीफाइनल में

ग्रॉस आइलेट ,25 जून । कप्तान और प्लेयर ऑफ द मैच रोहित शर्मा की 41 गेंदों पर सात चौकों और आठ छक्कों की मदद से सजी 92 रन की तूफानी पारी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सुपर आठ के ग्रुप एक मुकाबले में सोमवार को 24 रन से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

भारत ने पांच विकेट पर 205 रन का मजबूत स्कोर बनाया और ऑस्ट्रेलिया की चुनौती को सात विकेट पर 181 रन पर थाम लिया। भारत ने इस जीत से ऑस्ट्रेलिया से पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल में मिली हार का बदला चुका लिया। भारत का सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 27 जून को मुकाबला होगा।

भारत ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है और इस मैच में उनका प्रदर्शन काबिलेतारीफ रहा। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा ने पहली गेंद से ही अपने इरादे साफ कर दिए थे और उनके द्वारा दिलाई गई शुरुआत के चलते भारत ने एक बड़ा स्कोर खड़ा किया था। दूसरी पारी में मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड भारत के लिए सिरदर्द बने थे लेकिन कुलदीप के स्पैल ने भारत को वापसी का मौका दिया। बुमराह हर बार की तरह इस बार भी शानदार रहे। उन्होंने हेड का महत्वपूर्ण विकेट निकाला। हेड ने 43 गेंदों में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 76 रन बनाये।इस हार के बावजूद ऑस्ट्रेलिया अब भी सेमीफाइनल की होड़ में बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया को अब उम्मीद करनी होगी कि सुपर 8 के अंतिम मैच में मंगलवार को सुबह बांग्लादेश की टीम अफगानिस्तान को हरा दे। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह ने 37 रन पर तीन विकेट और कुलदीप यादव ने 24 रन पर दो विकेट लिए। बुमराह ने हेड का विकेट निकाला। अक्षर पटेल को भी एक विकेट मिला।इससे पहले रोहित ने कप्तानी की जिम्मेदारी के साथ खेलते हुए रिकार्डों से भरपूर पारी खेली और भारत को विराट कोहली के शून्य पर आउट होने के झटके से उबारा। रोहित ने मिचेल स्टार्क के पारी के तीसरे ओवर में चार छक्के और एक चौका लगाकर 29 रन बटोरे। भारतीय कप्तान पुरुष टी20 में पावरप्ले में ही पांच छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। इसके अलावा रोहित ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय में अपने 200 छक्के भी पूरे कर लिए हैं और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज भी बन गए।

रोहित शर्मा ने मिचेल स्टार्क के ओवर में कुल 29 रन बटोरे और यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में स्टार्क द्वारा फेंका गया सबसे महंगा ओवर हो गया है। इससे पहले 2021 टी20 विश्व कप फाइनल में उनके एक ओवर में 22 रन बने थे। भारतीय कप्तान ने मात्र 19 गेंदों में अपना अर्धशतक लगाया। रोहित शर्मा का इस विश्व कप का सबसे तेज अर्धशतक है, साथ ही टी20 विश्व में यह भारत की ओर से लगाया गया युवराज सिंह (12, केएल राहुल 18 के बाद तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। साथ ही यह टी20 करियर में रोहित का भी सबसे तेज अर्धशतक है।

रोहित शर्मा टी20 विश्व कप की एक पारी में सबसे अधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है। इन्होंने 8 छक्के लगाकर युवराज को पछाड़ा है। भारत ने 8.4 ओवर में अपने 100 रन पूरे किए, जो टी20 विश्व कप में उनका सबसे तेज 100 रन है। इससे पहले 2007 में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 10.2 ओवरों में अपने 100 रन पूरे किए थे।

रोहित जब अपने शतक से आठ रन दूर थे तो स्टार्क ने पारी के 12वें ओवर में वापसी करते हुए रोहित को बोल्ड कर दिया। रोहित ने 41 गेंदों की पारी में सात चौके और आठ छक्के लगाए। उन्हें बाकी बल्लेबाजों का भी उपयोगी सहयोग मिला। सूर्यकुमार यादव ने 16 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 31, शिवम दुबे ने 22 गेंदों में 28 रन, हार्दिक पांड्या ने 17 गेंदों में नाबाद 27, ऋषभ पंत ने 15 और रवींद्र जडेजा ने एक छक्के के सहारे नाबाद नौ रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने आखिरी 10 ओवरों में कुछ हद तक वापसी की। आठ विकेट बचे होने के बाद भी भारत अंतिम 10 ओवरों में 91 रन ही बना सका, जबकि पहले 10 ओवरों में उन्होंने 114 रन बनाए थे। रोहित शर्मा ने एक पारी में अनेकों रिकॉर्ड बना दिए और दिखाया कि अपने दिन पर कैसे वह अकेले मैच का रुख पलट सकते हैं। उनकी इस पारी ने ही उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच बनाया।

2028 ओलंपिक में क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए होगा सबसे अविश्वसनीय अनुभव : पीटरसन

नई दिल्ली ,25 जून । लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट भी खेला जाएगा। यानी 128 साल बाद क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी होगी। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। वहीं, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का मानना है कि ओलंपिक में खेलना एक क्रिकेटर के लिए श्सबसे अविश्वसनीय अनुभक्य होगा।

पीटरसन के करियर में टी20 विश्व कप ट्रॉफी, भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे क्रिकेट दिग्गजों के खिलाफ यादगार जीत शामिल है। उन्होंने क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने की पहल की सराहना की। क्रिकेट को 2028 खेलों के लिए ओलंपिक में जोड़ा गया है। आईसीसी के अनुसार, इस गेम के टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 3 बिलियन से अधिक दर्शकों के होने का अनुमान है। वर्ष 1900 के बाद यह पहली बार होगा जब ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को जोड़ा गया है। पीटरसन ने पॉडकास्ट श्रृंखला श180 नॉट आउटय में कहा,मैंने कभी ओलंपिक खेल नहीं खेला। मैं टी20 विश्व कप जीतने और विश्व कप में खेलने के लिए काफी भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। लेकिन जब आप ओलंपिक खेलों में खेलने के अवसर को देखते हैं, तो यह बहुत अच्छा है।

गोल्फ थोड़े समय पहले ही ओलंपिक का हिस्सा बना। जस्टिन रोज ने पहला गेम जीता, वह मेरा दोस्त है। उसने कहा कि ओलंपिक खेलों में खेलना सबसे अविश्वसनीय अनुभव है। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी सलामी बल्लेबाज हाशिम अमला, जो इस पॉडकास्ट का हिस्सा थे, ने इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता के बीच खिलाड़ियों के सामने आने वाली कठिन चुनौतियों के बारे में बात की। अमला ने कहा,यह वास्तव में खिलाड़ियों को परेशान कर रहा हैएक तरफ राष्ट्रीय टीम और दूसरी तरफ फ्रैंचाइजी क्रिकेट। इसने खिलाड़ियों को दुविधा में डाल दिया है कि उन्हें किस तरफ जाना है और वे अपना करियर कैसे बनाना है। यह एक बहुत ही कठिन निर्णय है। मुझे लगता है, अगर आप अच्छा ओलंपिक चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि ओलंपिक खेल एक अंतर पर हो ताकि यह किसी अन्य लीग से न टकराए। वे ऐसा कैसे कर सकते हैं, मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे उम्मीद है कि वे ऐसा करेंगे।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत, जो 2011 विश्व कप विजेता टीम में थे, वो भी इस पॉडकास्ट का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि अगर भारत लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है, तो यह श्सोने पर सुहागाय होगा। श्रीसंत ने कहा,मैं ओलंपिक को चुनूंगा। मैं केरल से हूं, जो ओलंपियनों की भूमि हैज् जब भी वे ट्रैक और फील्ड में जाते हैं, तो उनके घर के सामने श्ओलंपियनत्र लिखा होता है। मेरे लिए यह ऑस्कर की तरह है, लेकिन ऑस्कर हर साल होता है और ओलंपिक चार साल में एक बार होता है। ठीक वैसे ही जैसे विश्व कप होता है। अगर भारत ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतता है तो यह सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज की भविष्यवाणी, रोहित-विराट के टी20आई करियर का होने वाला है दी एंड...

नई दिल्ली ,25 जून । टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बीच वसीम जाफर ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर भविष्यवाणी की है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज जाफर का कहना है कि दोनों स्टार क्रिकेटर टूर्नामेंट के बाद टी20 इंरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह देंगे।

बता दें कि रोहित और कोहली ने जनवरी 2024 में टी20 इंटरनेशनल में कमबैक किया था। दोनों टी20 वर्ल्ड कप 2022 समाप्त होने के बाद सबसे छोटे फॉर्मेट से दूर रहे थे। हालांकि, रोहित और कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 को देखते हुए इस फॉर्मेट में वापसी का फैसला किया। वैसे, दोनों मौजूदा टूर्नामेंट में कुछ खास लय में नजर नहीं आए हैं। रोहित के बल्ले से केवल एक अर्धशतकीय पारी निकली है। कोहली कोई अर्धशतक नहीं जमा पाए हैं।

जाफर ने कहा,हो सकता है यह दोनों खिलाड़ी मौजूदा वर्ल्ड कप के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लें। आखिरकार, यह निर्णय तो रोहित–कोहली और सिलेक्टर्स को लेना है। लेकिन मुझे लगता है कि यह दोनों का आखिरी टी20 वर्ल्ड कप हो सकता है। मेरा मानना है कि हम उन्हें आखिरी बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलते हुए देख रहे हैं। हालांकि, रोहित और कोहली आईपीएल में खेलना जारी रखेंगे। रोहित ने 2007 में टी20 इंटरशनल डेब्यू किया था। उन्होंने इस फॉर्मेट में 155 मैचों में अभी तक 4073 रन बनाए हैं। वहीं, कोहली ने 2010 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा। उन्होंने 122 मुकाबलों में 4103 रन जुटाए हैं।

जाफर ने कोहली के 100 इंटरनेशल शतक को लेकर भी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा,मुझे ऐसा लगता है कि कोहली 100 इंटरनेशनल सेंचुरी कंप्लीट कर लेंगे। उनके पास अभी काफी टाइम है। वह बहुत फिट हैं। वह जिस कंसिस्टेंसी से रन बनाते हैं, मैं शत प्रतिशत उम्मीद करता हूं कि 100 शतक पार कर जाएंगे। कोहली के नाम फिलहाल 80 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं। उन्होंने वनडे में 50, टेस्ट में 29 और टी20 इंटरनेशनल में एक शतक जमाया है। कोहली वनडे में सर्वाधिक सेंचुरी ठोकने वाले क्रिकेटर हैं। उन्होंने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में सचिन तेंदलुकर (49) का रिकॉर्ड तोड़ा था। सचिन 100 इंटरनेशनल सेंचुरी लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास, वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची, आस्ट्रेलिया टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली ,25 जून ।आईसीसी मेन्स टी–20 वर्ल्ड कप में सुपर 8 स्टेज के आखिरी मुकाबले में बांग्लादेश और अफगानिस्तान की रोमांचक टक्कर हुई। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला किंग्सटाउन के अर्नोस वेल ग्राउंड में हुआ। मुकाबले में अफगानिस्तान टीम ने बांग्लादेश को 8 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। 27 तारीख को अफगानिस्तान का सेमीफाइनल में मुकाबला साउथ अफ्रीका से त्रिनिदाद में होगा। इस मुकाबले में जीत के लिए बांग्लादेश को 114 (ष्ठरुस्) का लक्ष्य मिला था। लेकिन नवीन उल हक ने हक ने लगातार 2 विकेट लेकर मैच को अफगानी टीम के पाले में कर दिया। वहीं मैच में कप्तान राशिद खान ने 4 विकेट लेकर बांग्लादेश की कमर तोड़कर रख दी।बांग्लादेश को आखिरी 2 ओवर में जीत के लिए 12 रन चाहिए थे, उसके 8 विकेट गिर चुके थे। बांग्लादेश का स्कोर 102ध्8 था। नवीन उल हक 18वां ओवर करने आए थे। इस ओवर में तस्कीन अहमद को नवीन को क्लीन बोल्ड कर दिया। बांग्लादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 116 रनों का लक्ष्य 12.1 ओवर में हासिल करना था। ऐसे में उनके लिए उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं। वहीं अफगानिस्तान के लिए इस मैच में जीतना ही काफी था। टारगेट का पीछा करने हुए बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने दूसरे ओवर में ही फजलहक फारूकी की गेंद पर तंजीद हसन का विकेट खो दिया, जो खाता भी नहीं खोल पाए। फिर नवीन उल हक ने लगातार गेंदों पर नजमुल हुसैन शंतो (5) और अनुभवी खिलाड़ी शाकिब अल हसन (0) को चलता कर दिया।

इसके बाद राशिद खान ने मैच के पहले ही ओवर में सौम्य सरकार (10) आउट को आउट किया, जो बांग्लादेश के आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज रहे, जिनको राशिद खान ने अपनी गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद अपने अगले ओवर में राशिद खान ने तौहीद हृदोय (14) को इब्राहिम जादरान के हाथों कैच आउट करवाया। राशिद खान का मैजिक इसके बाद एक बार फिर चला, जब उन्होंने 80 के स्कोर पर लगातार महमूदुल्लाह (6) और रिशद खान (0) को आउट कर मैच में अपने चार विकेट पूरे किए। इसके बाद गुलबदीन नईब आए, उन्होंने तनजीम हसन (3) को मोहम्मद नबी के हाथों कैच आउट करवाकर बांग्लादेशी टीम को आठवां झटका दिया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 115 रन बनाए। अफगान टीम की शुरुआत काफी धीमी रही। इब्राहिम जादरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने 10.4 ओवर्स में 54 रनों की पार्टनरशिप की। इस दौरान गुरबाज और जादरान पावरप्ले का फायदा नहीं उठा सके। लेग–स्पिनर रिशद हुसैन ने जादरान को आउट करके इस साझेदारी का अंत किया। ओपनिंग पार्टनरशिप के टूटने के बाद अफगानिस्तान ने लगातार अंतराल में विकेट खोए। अजमतुल्लाह उमरजई (10), गुलबदीन नायब (4) और मोहम्मद नबी (1) ने बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन किया।

टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, पहली बार इस खिलाड़ी को मिली कप्तानी

नई दिल्ली ,25 जून । भारतीय टीम इस वक्त टी20 वर्ल्ड कप के लिए वेस्टइंडीज में मौजूद है। इसी बीच बीसीसीआई ने वर्ल्ड कप के ठीक बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज के लिए बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी ने पूरी तरह से युवा टीम को चुना है। वहीं टीम की कप्तानी भी एक ऐसे युवा खिलाड़ी के हाथों में है जिसने अभी तक भारतीय टीम की कप्तानी नहीं की है। यह खिलाड़ी कोई और नहीं बल्कि शुभमन गिल हैं। गिल पहली बार किसी भी सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे। वहीं इस टीम में कई खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिन्हें पहली बार भारतीय टीम के स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

जिम्बाब्वे सीरीज के लिए टीम इंडिया के कप्तान बनाए गए शुभमन गिल के सामने एक बड़ी चुनौती होगी। गिल ने आईपीएल 2024 के दौरान गुजरात टाइटंस की कप्तानी की थी। गिल की कप्तानी में गुजरात के लिए आईपीएल 2024 बेहद खराब रहा था। उनकी कप्तानी में टीम लीग स्टेज से ही बाहर हो गई और उन्होंने 14 मैचों में सिर्फ पांच में ही जीत हासिल की। ऐसे में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल के लिए आसान नहीं होगी। उन्हें बतौर कप्तान इस सीरीज के दौरान खुद को साबित करना होगा। गिल के लिए इस सीरीज में एक बड़ा मौका होगा। दरअसल भारतीय टीम आने वाले समय में उनके जैसे युवा खिलाड़ियों को और भी बड़े मौके देगी।

पांच टी20 मैचों की खेलनी है सिरीज

भारतीय टीम जिम्बॉब्वे में पांच टी20 मैचों की सिरीज खेलेगी। टीम में टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड से दो खिलाड़ियों, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल को मौका दिया गया है। टी20 वर्ल्ड के रिजर्व में शामिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान को भी टीम में चुना गया है। वहीं, शुभमन गिल को रिजर्व से उठाकर सीधे कप्तान बना दिया गया है। पहले ऐसी चर्चाएं थीं कि हार्दिक पंड्या या सूर्य कुमार यादव में से किसी को जिम्बॉब्वे दौरे पर टीम इंडिया की कमान सौंपी जा सकती है। लेकिन ऐसी खबरें आई थीं कि इन दोनों ने जिम्बॉब्वे दौरे पर जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद गिल को कप्तानी सौंपी गई।

अदाणी ग्रुप का पोर्टफोलियो बहुत मजबूत, सबसे अच्छा समय आना अभी बाकी : गौतम अदाणी

अहमदाबाद ,25 जून । अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि अपने इतिहास में सबसे दमदार नतीजे, मजबूत कैश पोजीशन और सबसे कम डेट रेश्यो के साथ ग्रुप का पोर्टफोलियो का रास्ता बड़ी उपलब्धियों के वादों के साथ रोशन है। बता दें, अदाणी ग्रुप का प्रदर्शन वित्त वर्ष 2023–24 में काफी शानदार रहा है।अदाणी एंटरप्राइजेज की एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) में गौतम अदाणी ने अपने शेयरधारकों से कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 में हमने 45 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब तक का सबसे अधिक 82,917 करोड़ रुपये (करीब 10 अरब डॉलर) का ईबीआईटीडीए हासिल किया है। इसके कारण हमारा टैक्स के बाद मुनाफा सालाना आधार पर 71 प्रतिशत बढ़कर 40,129 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, हमारा डेट टू ईबीआईटीडीए 2.2 गुना पर आ गया है जो कि पहले 3.3 गुना पर था। शानदार प्रदर्शन के कारण अदाणी ग्रुप की लिक्विडिटी ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है और कैश बैलेंस 59,791 करोड़ रुपये है। ग्रुप के चेयरमैन ने कहा कि ये प्रदर्शन हमारी स्थिरता को दिखाता है। इसी के कारण हमारी कंपनियों की रेटिंग और आउटलुक अपग्रेड हुए हैं। मौजूदा समय में अंबुजा, एसीसी और अदाणी पोर्ट एएए रेटिंग की कंपनियां हैं। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के लिए भी ये वर्ष काफी शानदार रहा है। गौतम अदाणी ने शेयरधारकों से कहा कि हमारे एयरपोर्ट्स पर यात्रियों की संख्या की वृद्धि दर दोहरे अंक में है और यह 8.86 करोड़ पहुंच गई है। साथ ही हमें यह भी सौभाग्य मिला कि लखनऊ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अत्याधुनिक टर्मिनल 3 का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

एईएल के पोर्टफोलियो के तहत मुंद्रा में मौजूद कच्छ कॉपर लिमिटेड ने अपनी ग्रीनफील्ड कॉपर रिफाइनरी में परिचालन शुरू कर दिया है। गौतम अदाणी ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य इस दशक के अंत तक इसे एक लोकेशन पर मौजूद दुनिया की सबसे बड़ी कॉपर स्मैलटर बनाना है। इसकी क्षमता एक एमएमटीपीए की होगी। इससे भारत को अपनी मेटल की आवश्कताओं में आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। अदाणी पोर्ट के लिए भी ये वर्ष काफी शानदार रहा है। कंपनी की ओर से 420 एमएमटी कार्गो हैंडल किया गया। चेयरमैन ने कहा कि हमारे 10 पोर्ट ने रिकॉर्ड कार्गो वॉल्यूम हासिल किया है। गोपालपुर और कराईकल पोर्ट का हमने अधिग्रहण किया है। इससे हमारी स्थिति इस सेक्टर में और मजबूत हुई है। रिन्यूएबल एनर्जी में अदाणी ग्रीन एनर्जी की ओर से वित्त वर्ष 2029–30 के लिए अपना लक्ष्य बढ़ाकर 50 गीगावाट कर दिया, जो कि पहले 45 गीगावाट था। इस साल कंपनी ने 2. 8 गीगावाट की क्षमता जोड़ी है, जो कि भारत में जोड़ी गई कुल अतिरिक्त क्षमता का 15 प्रतिशत है। गौतम अदाणी ने आगे कहा कि दुनिया के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट खावड़ा में 12 महीनों में पहले दो गीगावाट का परिचालन शुरू हो गया है,

शेयर बाजार में तेजी जारी, सेंसेक्स 200 अंक उछला

मुंबई ,25 जून । भारतीय शेयर बाजार में तेजी जारी है। मंगलवार को बाजार के ज्यादातर सूचकांक हरे निशान में खुले। सुबह 9रू35 पर सेंसेक्स 203 अंक या 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,544 और निफ्टी 53 अंक या 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,591 पर था। बाजार में तेजी की वजह सकारात्मक ग्लोबल संकेतों को माना जा रहा है। छोटे और मझोले शेयरों में भी खरीदारी हो रही है।निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 325 अंक या 0.59 प्रतिशत बढ़कर 55,902 पर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 187 अंक या 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,404 पर था। बाजार में ऑटो, पीएसयबैंक, फिन सर्विस, मेटल, मीडिया और पीएसई इंडेक्स में तेजी है। आईटी और रियल्टी शेयरों में बिकवाली है।शुरुआती कारोबार में एनएसई पर 1,698 शेयर हरे निशान में और 389 शेयर लाल निशान में बने हुए हैं।सेंसेक्स पैक में एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, रिलायंस, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, एलएंडटी और टेक महिंद्रा टॉप गेनर्स हैं। कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, टाइटन, एशियन पेंट्स और बजाज फिनसर्व टॉप लूजर्स हैं।एशियाई बाजारों में तेजी है। टोक्यो, हांगकांग, बैंकॉक और सोल के बाजार हरे निशान में हैं। वहीं, शंघाई और जकार्ता में गिरावट देखी जा रही है। अमेरिकी बाजार सोमवार बढ़कर बंद हुए थे। कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरल पर है। चॉइस ब्रोकिंग में रिसर्च एनालिस्ट मंदार भोजने ने कहा कि बाजार में तेजी की स्थिति है। निचले स्तरों से बाजार को समर्थन मिला है। अगर निफ्टी 23,600 के ऊपर बंद होता है, तो यह 23,800 और फिर 24,000 के स्तर तक आने वाले दिनों में जा सकता है।

केंद्र सरकार ने शुरू की 96,238 करोड़ रुपये के टेलीकाम स्पेक्ट्रम की नीलामी

नई दिल्ली ,25 जून । केंद्र सरकार ने मंगलवार को ऐलान किया कि टेलीकॉम सर्विसेज के लिए 96,238. 45 करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम की नीलामी शुरू कर दी गई है। संचार मंत्रालय द्वारा कहा गया कि इसमें अलग–अलग बैंड के 10,522.35 मेगाहर्ट्ज के स्पेक्ट्रम की नीलामी की जाएगी। इसका रिजर्व प्राइस 96,238.45 करोड़ रुपये रखा गया है। इस नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज, 2500 मेगाहर्ट्ज, 3300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड के लिए बोलियां लगाई जाएंगी। ये नीलामी प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शुरू हो गई है। इस नीलामी प्रक्रिया में भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और रिलायंस जियो इन्फोकॉम भाग लेंगी। 1800 मेगाहर्ट्ज वाले बैंड का रिजर्व प्राइस 21,752.40 करोड़ रुपये रखा गया है। वहीं, 800 मेगाहर्ट्ज वाले बैंड का रिजर्व प्राइस 21,341.25 करोड़ रुपये रखा गया गया है। मंत्रालय ने कहा कि यह सरकार की ओर से सभी नागरिकों को किफायती दर पर अच्छी गुणवत्ता की टेलीकॉम सर्विसेज उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। दूरसंचार विभाग की ओर से स्पेक्ट्रम की प्रक्रिया 8 मार्च को शुरू की गई थी। स्पेक्ट्रम 20 वर्ष की अवधि के लिए दिया जाएगा। बोली जीतने वाली कंपनियों को अगले 20 वर्षों में 20 किस्तों में इसका भुगतान करना होगा। हालांकि, इस दौरान कंपनियों को एनपीवी पर 8.65 प्रतिशत का ब्याज देना होगा। मंत्रालय ने कहा कि इस नीलामी में खरीदे गए स्पेक्ट्रम को कंपनी न्यूनतम 10 वर्ष बाद सरेंडर कर सकती है। साथ ही कोई स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज (एसयूसी) कंपनियों से नहीं लिया जाएगा।

बाक्स आफिस पर इश्क विश्क रिबाउंड की कमाई में मामुली बढ़ोतरी, जेएनयू का हाल भी जान लीजिए

ऋ तिक रोशन की बहन पश्मीना रोशन, जिबरान खान और नैना ग्रेवाल जैसे सितारों से सजी फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड को बीते शुक्रवार यानी 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है।भले ही इश्क विश्क रिबाउंड ने टिकट खिड़की पर धीमी शुरुआत की हो, लेकिन वीकेंड पर फिल्म की दैनिक कमाई में इजाफा हुआ है।आइए जानते हैं फिल्म ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, इश्क विश्क रिबाउंड ने रिलीज के तीसरे दिन 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 3.55 करोड़ रुपये हो गया है।इश्क विश्क रिबाउंड ने 1 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।दूसरे दिन इस फिल्म की दैनिक कमाई में उछाल आया और यह टिकट खिड़की पर 1.20 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।निपुण अधिकारी ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

उर्वशी रौतेला और रवि किशन की फिल्म जेएनयूरू जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है, लेकिन यह दर्शकों के लिए तरस रही है। फिल्म की दैनिक कमाई शुरुआत से लाखों में सिमटी हुई है।जेएनयू ने 10 लाख रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर बेहद खराब शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म ने 20 लाख रुपये और तीसरे दिन 18 लाख रुपये कमाए।इस फिल्म के निर्देशन की कमान विनय शर्मा ने संभाली है।

शर्माजी की बेटी का ट्रेलर हुआ रिलीज, साक्षी, दिव्या और सैयमी का दिखा मजेदार अंदाज

प्राइम वीडियो की आगामी फिल्म शर्मा जी की बेटी का ट्रेलर आज जारी हो गया है। यह फिल्म इसी महीने इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन ताहिरा कश्यप ने किया है। यह निर्देशन

में उनका डेब्यू है। आज जारी हुए ट्रेलर में भारत के मध्यमवर्गीय परिवारों की महिलाओं की कहानी दिखाई गई है। यह कहानी दिखाई गई है शर्मा वुमंस–ज्योति शर्मा, किरण शर्मा और तन्वी शर्मा के जरिए।प्राइम वीडियो के सोशल मीडिया हैंडल से ट्रेलर जारी किया गया है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, आपस में जुड़ी हुईं पांच जिंदगियां, पांच मजबूत महिलाएं, पांच खूबसूरत कहानियां, जो नियति से बंधी हुई हैं। यह फिल्म 28 जून को रिलीज होगी। फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं। साथ ही वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन भी हैं।फिल्म का ट्रेलर देखकर यह कहा जा सकता है कि यह आम महिलाओं की कहानी को बड़े खूबसूरत अंदाज में कहने वाली फिल्म है। परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के बीच अपने लिए जगह ढूंढने वाली महिलाओं को यह कुछ अपनी–अपनी सी कहानी लगेगी। फिल्म में साक्षी तंवर ज्योति शर्मा के रोल में हैं। दिव्या दत्ता किरण शर्मा और तन्वी शर्मा की भूमिका में सैयामी खेर हैं।ट्रेलर देखते हुए लग रहा है कि फिल्म में कॉमेडी भी भरपूर देखने को मिलेगी। ज्योति तंवर (साक्षी) एक ऐसी महिला के रोल में हैं, जो खुद एक शिक्षिका हैं। परिवार की जिम्मेदारी हैं, लेकिन अपनी ही बेटी उन्हें नजरअंदाज करती है।

महाराज में सरप्राइज फैक्टर कहलाना मेरे लिए खुशी की बात: शरवरी

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म महाराज में एक्टर जुनैद खान के साथ काम कर रहीं एक्ट्रेस शरवरी ने कहा कि वह अपने आप को सरप्राइज फैक्टर मानकर खुश हैं।फिल्म में अतिथि भूमिका निभाने वाली शरवरी ने कहा, मैं यह पढ़कर बहुत रोमांचित हूं कि लोग मुझे महाराज का एक बड़ा सरप्राइज फैक्टर कह रहे हैं।एक कलाकार के तौर पर मैं अपनी हर भूमिका और फिल्म के जरिए दर्शकों पर एक खास प्रभाव डालना चाहती हूं, इसलिए मैं किसी फिल्म में सरप्राइज फैक्टर होने के लिए सभी तारीफों को खुशी और विनम्रता से स्वीकार करूंगी।एक्ट्रेस ने कहा, इस बात का मतलब यह है कि मेरे प्रदर्शन ने एक बड़ा प्रभाव छोड़ा है। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करती हूं। मैं अपनी हर फिल्म को कुछ बड़ा और बेहतर करने के तौर पर देखती हूं।शरवरी बेहद खुश हैं। एक ही महीने में मुंज्या और महाराज रिलीज हुई है।एक्ट्रेस ने कहा, पेशेवर तौर पर यह महीना मेरे लिए बहुत बढ़िया रहा है। अपने करियर की दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या मिलना वाकई में ही एक अद्भुत एहसास है। दिलचस्प बात यह है कि लोगों को फिर से लगा कि मैं फिल्म का सरप्राइज फैक्टर हूं और यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।आगे कहा, इसके अलावा महाराज के लिए मुझे जो प्यार मिल रहा है, वह भी एक अविश्वसनीय एहसास है। किसी भी फिल्म में सरप्राइज फैक्टर कहलाना एक बहुत बड़ी तारीफ है।शरवरी अगली बार मशहूर फिल्म निर्माता निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म वेदा में नजर आएंगी। उन्हें आदित्य चोपड़ा की स्पाई वर्स में आलिया भट्ट के साथ भी कास्ट किया गया है।शरवरी ने कहा कि वह अपने हर किरदार में कुछ अलग लाने के लिए बहुत मेहनत करती हैं और उनके लिए मान्यताएं बहुत फायदेमंद हैं।उन्होंने कहा, यह मुझे और अधिक मेहनत करने तथा हर बार स्क्रीन पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।महाराज एक पीरियड ड्रामा है, जो स्वतंत्रता–पूर्व भारत पर आधारित है और इसमें एक महाराज की कहानी दिखाई गई है।यह फिल्म एक निडर पत्रकार और समाज सुधारक करसनदास मुलजी के ऐतिहासिक मामले के इर्द–गिर्द घूमती है, जो वल्लभाचार्य संप्रदाय की शक्तिशाली धार्मिक स्थापना के खिलाफ खड़े हुए थे।

पहली पिक्चर में करिश्मा का करिश्मा

करिश्मा कपूर 90 के दशक में बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार थीं। उन्होंने अपने करियर में सबसे ज्यादा सफल फिल्में गोविंदा के साथ दी हैं। करिश्मा कपूर अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास मौके पर हम आपको उनसे जुड़े कुछ खास किस्से बताते हैं, जिनके बारे में शायद ही किसी ने सुना होगा। करिश्मा कपूर ने साल 1991 में फिल्म प्रेम कैदी से अपने करियर की शुरुआत की थी। उस वक्त उनकी उम्र महज 17 साल थी। फिल्म में हीरो का रोल हरीश कुमार ने निभाया था। प्रेम कैदी में दोनों सितारों की केमिस्ट्री छा गई थी। हाल ही में हरीश कुमार ने बताया था कि प्रेम कैदी की शूटिंग के दौरान वह पानी में डूबने लगे थे, तब करिश्मा कपूर ने उनकी जान बचाई थी। हरीश कुमार ने बताया था कि फिल्म के एक सीन में मुझे करिश्मा कपूर को बचाना होता है, लेकिन जैसे ही मैं पूल में कूदा, तो डूबने लगा था। करिश्मा कपूर को बचाने के लिए मैं कूदा था, लेकिन रियल में करिश्मा ने मुझे बचाया था, क्योंकि मुझे स्वीमिंग नहीं आती थी। गोविंदा की साल 1992 में फिल्म शोला और शबनम रिलीज हुई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। इस मूवी के लिए मेकर्स करिश्मा कपूर को कास्ट करना चाहते थे। लेकिन एक्ट्रेस ने फिल्म को 1 झटके में रिजेक्ट कर दिया था। हालांकि, करिश्मा कपूर के रिजेक्ट करने के बाद दिव्या भारती को फिल्म मिल गई थी। साल 1996 में लव स्टोरी फिल्म राजा हिंदुस्तानी रिलीज हुई थी, जिसमें उन्होंने आमिर खान के साथ काम किया था। सिल्वर स्क्रीन पर दोनों की जोड़ी छा गई थी और फिल्म ने ताबड़तोड़ बिजनेस किया था। ¼fgQ½

श्रद्धा दास का लेडी बास लुक फैंस को कर रहा इंप्रैस, हाट फोटोज से इंटरनेट पर बरपाया कहर

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस श्रद्धा दास अपने हॉट लुक से फैंस को अपनी ओर अट्रेक्ट करने में कोई भी कसर नहीं छोड़ती हैं। वो आए दिन अपने फोटोज से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने इंस्टाग्रम पर अुपनी ग्लैमरस फोटोज शेयर कर के इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। एक्ट्रेस श्रद्धा दास अपनी हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर लोगों को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंटरनेट पर शेयर करती हैं तो अक्सर लोगों के बीच बवाल मच जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ही स्टनिंग फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने ब्लू कलर की कोट–पैंट पहनी हुई है, जिसमें वो क्लासी नजर आ रही हैं। बालों को ओपन कर के और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस हर बार अपने लुक से फैंस के बीच कहर बरपाती रहती हैं। उनकी स्टनिंग अवतार अक्सर फैंस के होश उड़ा देता है। गले में सिंपल सा नेकलेस, आखों में काजल और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस अपने हर लुक से फैंस के बीच बवाल मचाती रहती हैं,चाहे वो इंडियन लुक हो या फिर वेस्टर्न लुक उनका हर एक लुक फैंस के बीच छा जाता है।

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी,प्रकाशक/मुद्रक–इमरान हसन सिद्दीकी द्वारा सीता ऑफसेट, 75 पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ। से मुद्रित कराकर 126/21/1, बी0एन0रोड, निकट इस्लामिया कालेज, लालबाग लखनऊ (उ0प्र0)–226021 से प्रकाशित। सम्पादक इमरान हसन सिद्दीकी R.N.I.NO.UPHIN/2010/39063,MOB.-9935403111, E-Mail:sindhutimes99@gmail.com फोन– 0522–4029211 (नोट–किसी भी वाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)